RAJHIN/2016/70516

Bhilwara/171/2026-2028

सच्चाई से रुबरु

smarthalchal.com

स्मार्ट हलचल

वर्ष-10 | अंक- 33 | भीलवाड़ा, सोमवार, 16 फ़रवरी 2026 | पृष्ठ-04 | मूल्य-04 रूपये

शहरी विकास को नई रफ्तार, 1 लाख करोड़ रुपये के अर्बन चैलेंज फंड को कैबिनेट की स्वीकृति

▪ स्मार्ट हलचल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कल शहरी चुनौती कोष (यूसीएफ) को अनुमोदन प्रदान किया। इसके तहत कुल एक लाख करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता (सीए) दी जाएगी। परियोजना लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा केंद्रीय सहायता के रूप में दिया जाएगा, बशर्ते परियोजना लागत का न्यूनतम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार से जुटाया जाए।

इससे अगले पांच वर्षों में शहरी क्षेत्र में कुल चार लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा, जो अनुदान आधारित वित्तपोषण से हटकर बाजार से जुड़े, सुधार-उन्मुख और परिणाम-उन्मुख अवसंरचना निर्माण की ओर भारत के शहरी विकास दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है।

शहरी चुनौती कोष उच्च गुणवत्ता वाले शहरी बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए बाजार वित्त, निजी भागीदारी और नागरिक-केंद्रित सुधारों का लाभ उठाएगा। इस कोष का उद्देश्य लचीले, उत्पादक, समावेशी और जलवायु-अनुकूल शहरों का निर्माण करना है ताकि ये शहर देश के आर्थिक विकास के अगले चरण के प्रमुख चालक बन सकें।

यह कोष वित्त वर्ष 2025-26 से वित्त वर्ष 2030-31 तक परिचालन में रहेगा, जिसकी कार्यान्वयन अवधि वित्त वर्ष 2033-34 तक बढ़ाई जा सकती है। परियोजना के लिए वित्त व्यवस्था का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा बाजार स्रोतों से जुटाया जाना चाहिए, जिसमें नगरपालिका बांड, बैंक ऋण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) शामिल हैं। शेष हिस्सा राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, शहरी स्थानीय निकायों या अन्य स्रोतों द्वारा प्रदान किया जा सकता है। परियोजनाओं का चयन एक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी चुनौती प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा, जिससे उच्च प्रभाव वाले और सुधार-उन्मुख प्रस्तावों को समर्थन सुनिश्चित होगा।

शहरी शासन, बाजार और वित्तीय प्रणालियों, परिचालन दक्षता और शहरी नियोजन में सुधारों पर विशेष जोर दिया जाएगा। व्यवस्थित जोखिम-साझाकरण रूपरेखा और सेवा वितरण मानकों के मानकीकरण के माध्यम से निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित किया जाएगा। 5,000 करोड़ रुपए का एक समर्पित कोष, विशेष रूप से पहली बार बाजार वित्त तक पहुंच प्राप्त करने वाले शहरों सहित, टियर-II और टियर-III शहरों सहित 4223 शहरों की ऋण योग्यता को बढ़ाएगा।

पूर्वोत्तर और पर्वतीय राज्यों के सभी शहरों/शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) और अन्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के छोटे यूएलबी (<1,00,000 जनसंख्या) के लिए पहली बार बाजार वित्त तक पहुंच को सुगम बनाने के लिए, 5,000 करोड़ रुपए की ऋण चुकौती गारंटी योजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है। यह योजना पहली बार लिए गए ऋणों के लिए 7 करोड़ रुपए या ऋण राशि का 70 प्रतिशत (जो भी कम हो) तक की केंद्रीय गारंटी प्रदान करेगी।

पहले ऋण के सफल पुनर्भुगतान पर 7 करोड़ रुपए या ऋण राशि का 50 प्रतिशत (जो भी कम हो) की केंद्रीय गारंटी प्रदान की जाएगी। इससे छोटे शहरों में पहली बार न्यूनतम 20 करोड़ रुपए की परियोजनाओं और बाद की परियोजनाओं के लिए 28 करोड़ रुपए तक की परियोजनाओं को प्रभावी ढंग से समर्थन मिलेगा।

इस कोष के अंतर्गत परियोजनाओं का चयन परिवर्तनकारी प्रभाव, स्थिरता और सुधार-उन्मुखीकरण सहित चुनौतियों पर आधारित रूपरेखा के माध्यम से किया जाएगा। कोष का आवंटन सुधारों, लक्ष्यों और स्पष्ट रूप से परिभाषित परिणामों से जुड़ा होगा। सुधारों की निरंतरता आगे कोष जारी करने के लिए एक पूर्व शर्त होगी। आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय के एकल डिजिटल पोर्टल के माध्यम से परियोजनाओं और सुधारों की कागजरहित निगरानी को सुगम बनाया जाएगा।

विकास केंद्रों के रूप में शहर, शहरी क्षेत्रों की पहचान, महत्वपूर्ण आर्थिक केंद्र, एकीकृत स्थानिक आर्थिक और पारगमन योजना जिसमें हरित और अर्ध-हरित क्षेत्र का विकास, पारगमन और आर्थिक गलियारों के साथ विकास, शहरी गतिशीलता, आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण अवसंरचना परियोजनाएं शामिल हैं।

शहरों का रचनात्मक पुनर्विकास जिसमें केंद्रीय व्यावसायिक जिलों और विरासत केंद्रों का नवीनीकरण, ब्राउनफील्ड पुनरुद्धार, पारगमन-उन्मुख विकास और विरासत अवसंरचना का जीर्णोद्धार, जलवायु के अनुकूल, आपदा शमन और पूर्वोत्तर व पर्वतीय राज्यों में मौजूदा शहरों को भीड़भाड़ से मुक्त करने के लिए शहरों से दूर शहरों के विकास के उपाय शामिल हैं; और जल एवं स्वच्छता जिसमें जल आपूर्ति, सीवरेज और वर्षा जल प्रणालियों का उन्नयन, ग्रामीण-शहरी अवसंरचना, जल ग्रिड और एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शामिल है जिसमें स्वच्छता पर विशेष ध्यान देते हुए पुराने अपशिष्टों का उपचार भी शामिल है।

शहरी चुनौती कोष के तहत दी जाने वाली धनराशि एक व्यापक सुधार एजेंडा पर आधारित है, जिसमें शासन और डिजिटल सुधार, साख बढ़ाने के लिए बाजार और वित्तीय सुधार, बेहतर सेवा वितरण और उपयोगिता दक्षता के लिए परिचालन सुधार, शहरी नियोजन और स्थानिक सुधार जिसमें पारगमन-उन्मुख विकास और हरित अवसंरचना शामिल हैं और सुनिर्धारित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों (केपीआई), तृतीय-पक्ष द्वारा सत्यापन और निरंतर संचालन एवं रखरखाव तंत्रों के साथ परियोजना-विशिष्ट सुधार शामिल हैं।

परियोजनाओं का मूल्यांकन उनके द्वारा परिवर्तनकारी परिणाम देने की क्षमता के आधार पर किया जाएगा, जिसमें आर्थिक, सामाजिक और जलवायु संबंधी सहित राजस्व जुटाना, निजी निवेश, रोजगार सृजन और बेहतर सुरक्षा, समावेशिता, सेवा समानता और स्वच्छता शामिल है।

अजमेर आएंगे पीएम मोदी : 23,500 करोड़ के प्रोजेक्ट्स का लोकार्पण

अजमेर/ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 फरवरी को अजमेर दौरे पर आएंगे। इस दौरान वे राजस्थान में करीब 23,500 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। यह जानकारी मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को दी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि अजमेर की धरती से प्रधानमंत्री राज्य को "अभूतपूर्व विकास कार्यों का पैकेज" देंगे। इन परियोजनाओं में आधारभूत संरचना, जनकल्याण और अन्य क्षेत्रों से जुड़े कई नए कार्यों की आधारशिला रखी जाएगी, साथ ही कई योजनाओं का उद्घाटन भी किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान 'रोजगार उत्सव' का आयोजन भी होगा, जिसमें 21 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाएंगे। इससे प्रदेश में रोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह दौरा राज्य सरकार के "विकसित राजस्थान" के संकल्प को और मजबूती देगा तथा प्रदेश के विकास कार्यों को नई गति प्रदान करेगा।

मौसम का यू-टर्नः सक्रिय हुआ पश्चिमी विक्षोभ, राजस्थान के इन जिलों में कल से बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुरः प्रदेश में सर्दी की विदाई के बीच एक बार फिर मौसम करवट लेने वाला है। भारतीय मौसम विभाग (IMD) के अनुसार, एक सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (Western Disturbance) 16 फरवरी से हिमालयी क्षेत्र में दस्तक दे चुका है, जिसका सीधा असर राजस्थान के मैदानी इलाकों में देखने को मिलेगा।

पूर्वानुमान की मुख्य बातेंः

बारिश की संभावनाः 17 और 18 फरवरी को उत्तर-पश्चिम राजस्थान, विशेषकर श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और बीकानेर संभागों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

तापमान में बदलावः विक्षोभ के सक्रिय होने से पहले दिन के तापमान में 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी दर्ज की गई है, लेकिन बारिश के बाद पारा एक बार फिर गिरने की उम्मीद है।

तेज हवाएंः मौसम विभाग ने कुछ हिस्सों में 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने और बादलों की आवाजाही का 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

जयपुर का हालः राजधानी जयपुर में आज आसमान साफ रहेगा, लेकिन 17 फरवरी की शाम से बादलों की आवाजाही शुरू हो सकती है।

पीएम मोदी AI Impact Expo 2026 का उद्घाटन करेंगे, जिसमें 13 देशों और 600 से अधिक स्टार्टअप्स भाग लेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के भारत मंडपम में इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 का उद्घाटन करेंगे। यह जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई है।

यह एक्सपो 16 से 20 फरवरी तक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट के साथ एक ही स्थान पर आयोजित किया जाएगा। 70,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्र में फैले 10 एरिना में यह आयोजन किया जाएगा, जिसमें दुनिया की बड़ी तकनीकी कंपनियां, स्टार्टअप्स, शिक्षण संस्थान, शोध संस्थान, केंद्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें और अंतरराष्ट्रीय साझेदार भाग लेंगे।

इस आयोजन में 13 देशों के पवेलियन भी होंगे, जो एआई इकोसिस्टम में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को दर्शाएंगे। इन देशों में ऑस्ट्रेलिया, जापान, रूस, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली, नीदरलैंड, स्विट्जरलैंड, सर्बिया, एस्टोनिया, ताजिकिस्तान और अफ्रीकी देश शामिल हैं।

एक्सपो में 300 से अधिक विशेष प्रदर्शनी पवेलियन और लाइव डेमोंस्ट्रेशन होंगे। यह आयोजन तीन थीम – पीपल, प्लेनेट और प्रोग्रेस – पर आधारित होगा। इसके अलावा 600 से अधिक संभावनाशील स्टार्टअप इसमें भाग लेंगे, जिनमें से कई वैश्विक स्तर और बड़ी आबादी के लिए समाधान विकसित कर रहे हैं। ये स्टार्टअप अपने ऐसे समाधान पेश करेंगे जो पहले से वास्तविक दुनिया में उपयोग में हैं।

इंडिया एआई इम्पैक्ट एक्सपो 2026 में 2.5 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है, जिनमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि भी होंगे। इस आयोजन का उद्देश्य वैश्विक एआई इकोसिस्टम में नए साझेदारी अवसर पैदा करना और व्यापार के नए मौके बनाना है।

इस दौरान 500 से अधिक सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें 3,250 से ज्यादा विशेषज्ञ वक्ता और पैनल सदस्य भाग लेंगे। इन सत्रों में अलग-अलग क्षेत्रों में एआई के प्रभाव पर चर्चा की जाएगी और यह विचार किया जाएगा कि भविष्य में एआई का लाभ दुनिया के हर नागरिक तक कैसे पहुंचाया जाए। बयान में कहा गया है कि यह एक्सपो एआई के वास्तविक उपयोग का राष्ट्रीय प्रदर्शन होगा, जहां नीति और व्यवहार, नवाचार और विस्तार, तथा तकनीक और आम नागरिक के बीच बेहतर तालमेल दिखेगा।

राजस्थान में 'रोजगार क्रांति': युवाओं के लिए 15 लाख नौकरियों का रोडमैप तैयार, सरकारी से लेकर निजी क्षेत्र तक खुलेंगे द्वार

▪ स्मार्ट हलचल

जयपुरः मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने राजस्थान बजट 2026-27 में युवाओं को सशक्त बनाने के लिए ऐतिहासिक घोषणाएं की हैं। राज्य सरकार ने आगामी मार्च 2029 तक कुल 15 लाख रोजगार के अवसर पैदा करने का बड़ा लक्ष्य निर्धारित किया है।

प्रमुख बिंदुः

नौकरियों का गणितः सरकार का लक्ष्य 5 वर्षों में 4 लाख सरकारी नौकरियां और 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराना है।

नई भर्ती एजेंसियांः परीक्षाओं में पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए 'राजस्थान राज्य परीक्षा एजेंसी' (RSTA) का गठन किया जाएगा।

स्वरोजगार के लिए आर्थिक मददः 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' के तहत 1 लाख युवाओं को 10 लाख रुपये तक के ऋण पर 100% ब्याज सब्सिडी दी जाएगी।

शिक्षा और कौशलः मेधावी छात्रों के लिए 20,000 रुपये के ई-वाउचर की घोषणा की गई है, जिसका उपयोग लैपटॉप या टैबलेट खरीदने के लिए किया जा सकेगा। साथ ही हर जिले में 'स्किल स्कूल' स्थापित किए जाएंगे।

युआईटी के जिम्मेदारों की अनदेखी से सरकारी सड़क के फूटपाथ पर निजी कब्जा, जनप्रतिनिधि भी मौन

अहिंसा सर्किल पर अतिक्रमण की जिला प्रशासन व युआईटी को सैकड़ों शिकायतें, लेकिन कार्यवाही जीरो

▪ स्मार्ट हलचल / राजेश जीनगर

भीलवाड़ा । जहां एक और पिछले कुछ समय से नगर निगम व नगर विकास न्यास शहर के विभिन्न चौराहों व बाजार में काबिज अस्थाई अतिक्रमण पर ताबड़तोड़ कार्यवाही कर जेसीबी के पंजे कहर बरपा रही है, वहीं दुसरी और कोटा बाईपास पर बढ़ता अतिक्रमण जिम्मेदारों की अनदेखी पर बड़ा सवाल खड़ा कर रही है की ऐसा क्यों ?? यहां पर मार्बल व्यवसाय फल फूल रहा है तो चाय की होटलों की आढ़ में टेंट तंबू तानकर सरकारी सड़क पर कब्जा

किया जा रहा है, वहीं एक डेयरी बुथ संचालक ने केबिन की बजाय पक्का निर्माण कर अतिक्रमण को बढ़ावा देना भी युआईटी के अधिकारियों की अनदेखी पर बड़ा सवाल है। उधर दुसरी और शहर के अहिंसा सर्किल पर बढ़ते अतिक्रमण की बात करें तो नाम नहीं बताने की शर्त पर लोगों ने बताया की हमने अपने लेटर पैड पर युआईटी व जिला प्रशासन को सेंकड़ों बार शिकायतें दे दी, लेकिन नतीजा शुन्य होने से अतिक्रमण को बढ़ावा युआईटी अधिकारियों की सीधे सीधे तौर पर मिलिभगत की और संकेत करता है। जबकी यहां सांझ ढलने के साथ केबिनों की ओट से व खड़ी गाड़ियों की आड़ से अवैध शराब की बिक्री की शिकायतें आम है। लेकिन, आबकारी विभाग गंभीर नहीं तो अतिक्रमण को बढ़ावा युआईटी के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। चर्चा तो यहां तक है की अतिक्रमियों की चेतावनी है की यहां से अतिक्रमण हटाया जाता है तो प्रशासन को इसके परिणाम भुगतने होंगे और माहौल खराब होने का जिम्मेदार भी प्रशासन रहेगा।

अचानक हुआ गैस का रिसाव, सिलेंडर ने पकड़ी आग मचा हड़कंप, सुझबुझ से टला बड़ा हादसा

▪ स्मार्ट हलचल

बनेड़ा - कस्बे के बैरवा मौहल्ला क्षेत्र में शनिवार सुबह चाय बनाते समय अचानक गैस के रिसाव होने सिलेंडर ने आग पकड ली। गनीमत यह रही कि परिवार के लोगों की सजगता से तुरंत गैस सिलेंडर और चुल्हे समेत घर से निकाल करके आग पर काबू पाया जा सका। शनिवार को सुबह बैरवा मौहल्ला निवासी जमना लाल पुत्र पोखर बैरवा के घर में गैस पर चाय बनाने के दौरान अचानक सिलेंडर पर लगे रेग्युलेटर से गैस रिसाव होने लगा। जिसके कारण आग पकड ली। इस घटना से परिवार के लोगों मे हडकंप मच गया। मगर घर मालिक ने हिम्मत दिखाते हुए। सिलेंडर पर कपड़ा और पानी डालकर के सिलेंडर और चुल्हे को घर से बाहर निकाल कर के आग बुझाई। मगर आग से घर में रखे कपड़े बिस्तर एससीडी टीवी विधुत बोर्ड आदि सामान जल गए। वही गैस रिसाव के कारण घर में मोजुद गाय का बछड़ा भी जुलूस गया। मामलें कि सुचना पर आसपास के लोगों का जमावड़ा लग गया। गनीमत यह रही कि परिवार के लोगों को किसी प्रकार की चोट नहीं लगी।

राज्य स्तर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शाहपुरा के खिलाड़ियो ने दो रजत पदक जीते

▪ स्मार्ट हलचल

राष्ट्रीय स्तर पर चयन

शाहपुरा- शाहपुरा के दी बॉलर्स जिम के तीन प्रतियोगियों ने दिनांक 14,15-2-2026 रविवार को आयोजित 14वी राज्यस्तरीय सीनियर और मास्टर पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। टीम कोच अंकित कसेरा ने जानकारी दी कि प्रतियोगिता में एडवोकेट दीपक पारीक मास्टर 1 केटेगरी 74 किलो भार मे दुसरा स्थान प्राप्त कर रजत पदक प्राप्त किया। विनोद जोशी मास्टर 2 केटेगरी 74 किलो मे रजत पदक व कार्तिकेय दाधीच सीनियर केटेगरी 100 किलो भार मे सीनियर कैटेगरी में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदशन दिया। भीलवाड़ा जिला पावरलिफ्टिंग संगठन के सचिव महेंद्र प्रताप का कहना है कि शाहपुरा ने हाल ही में आयोजित उदयपुर में राज्य स्तरीय क्लासिक पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए शाहपुरा के खिलाड़ियों ने दो रजत पदक जीते। यह उपलब्धि न केवल शाहपुरा के लिए बल्कि पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। शाहपुरा के खिलाड़ियों ने अपनी कठिन मेहनत और समर्पण से यह सफलता हासिल की, और क्षेत्र में खेलों को बढ़ावा देने में एक नया मानक स्थापित किया है। बॉलर्स जिम के खिलाड़ी विनोद जोशी व एडवोकेट दीपक पारीक को राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ। दी बॉलर्स जिम के निर्देशक सुनील कसेरा ने कहा कि ये खिलाड़ी अब उदयपुर में आयोजित 14वी राष्ट्रीयस्तरीय पावरलिफ्टिंग प्रतियोगिता में राजस्थान का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह सफलता शाहपुरा और दी बॉलर्स जिम के लिए गर्व की बात है और इन खिलाड़ियों की कड़ी मेहनत और समर्पण का परिणाम है। अब इनकी निगाहें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल पर हैं, जहां वे और भी बेहतर प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं।

लूट की वारदात का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार बाल अपचारी निरुद्ध, चोरी का माल बरामद वाहन जब्त

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । जिले के करेड़ा क्षेत्र में हुई लुट की वारदात का करेड़ा पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया और एक बालक अपचारी को निरूद्व कर चोरी का माल जैवरात बरामद लिए है और वारदात में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया । एसपी धर्मेन्द्र सिह भीलवाडा द्वारा जिले मे चोरी, नकबजनी व लूट की वारदातों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बुद्वराज आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन मे और पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश वृत आसीन्द के सुपरविजन मे, करेड़ा थानाधिकारी पुरण मल मीणा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।

यह थी घटना

प्रार्थीया घीसीदेवी पत्नि भैरुलाल तेली उम्र 65 साल निवासी अमरपुरा करेड़ा परिजनो के साथ थाने उपस्थित होकर एक रिपोर्ट पेश की ओर बताया की दिनांक 09.02.2026 को दोपहर करीब 12 बजे के आस पास हमेशा की तरह वह उनके पुत्र के साथ मोटरसाईकिल पर सवार होकर अपने खेत पर जा रही थी तभी पीछे से एक अज्ञात सफेद रंग की मारूति कार के चालक ने हमारी मोटरसाईकिल को पीछे से टक्कर मार दी जिससे हमारी मोटरसाईकिल सहित हम नीचे गिर जिसके बाद कार में सवार एक युवक बाहर आया और मेरी आँखों में मिर्च पाउण्डर डालकर प्रार्थीया के पहने हुए जर जेवरात सोने की नथ बाली वजन डेड तोला को लुटकर ले गये आदि रिपोर्ट पर मामला दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारम्भ किया ।

गठीत टीम द्वारा किया गया प्रयास

पुलिस टीम ने वैज्ञानिक तरीकों के साथ-साथ परम्परागत पुलिसिंग को अपनाते हुए मुखबिर की सूचना लेकर उनसे लगातार सम्पर्क में रही व घटना के आस पास के रास्तो पर सी सी टी वी फुटैज चैक किये गये व पूर्व में सम्पति संबंधी अपराधों में चालानशूदा अपराधियों पर सत्त निगरानी रखते हुए उनके मोबाईल नम्बर की सीडीआर प्राप्त कर उनका विश्लेषण किया गया। घटना कारित करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार कर एक बाल अपचारी को निरूद्व किया और लूट का माल बरामद किया गया साथ ही में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया।

गठित पुलिस टीमः-

01.थानाप्रभारी पुरणमल मीणा
02कांस्टेबल पुखापुरी
03.भगवान
04.प्रदीप कुमार
05. संजय

यह हुआ गिरफ्तार

श्रवण लाल पिता तेजा राम बलाई उम्र 36 साल निवासी आमदला पुलिस थाना करेडा जिला भीलवाडा को गिरफ्तार किया ।

खेमाना ग्राम पंचायत में शांता देवी सोनी ने संभाला प्रशासक पद का कार्यभार

▪ स्मार्ट हलचल

रायपुर / खेमाना। ग्राम पंचायत खेमाना में पंचायत एवं जनहित के कार्यों को निरंतर एवं सुचारु रूप से संचालित रखने के उद्देश्य से निवर्तमान उपसरपंच श्रीमती शांता देवी पत्नी श्री मोतीलाल सोनी (गल्यावाड़ी) ने प्रशासक के रूप में पदभार ग्रहण किया। प्रशासन द्वारा यह जिम्मेदारी उन्हें इस आशय से सौंपी गई है कि पंचायत से जुड़े विकास कार्यों में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो तथा आमजन के आवश्यक कार्य नियमित रूप से संपादित होते रहें। पदभार ग्रहण करने के बाद श्रीमती शांता देवी सोनी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता पंचायत क्षेत्र के विकास कार्यों को जिम्मेदारीपूर्वक एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण करना रहेगी। साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने पंचायत क्षेत्र में पारदर्शिता, जनसहभागिता एवं बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था पर विशेष जोर देने की बात भी कही।

कार में मिली लाखो की एमडीए ड्रग्स, दो आरोपी गिरफ्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा । करेड़ा पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ पर एक ओर बड़ी कार्यवाही करते हुए अवैध मादक पदार्थ का परिवहन करने के मामले में दो आरोपियों को दबोचा है । पुलिस ने आरोपी प्रमोद माली व मुकेश तेली को गिरफ्तार किया है और आरोपियों के कब्जे से 14 ग्राम एमडीए व घटना में प्रयुक्त मारूति वैगनार कार को जप्त की है । पुलिस के अनुसार जप्त मादक पदार्थ की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीबन 1 लाख 40 हजार रूपये कीमत है । एसपी धर्मेन्द्र सिह द्वारा जिले मे अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए बुद्वराज अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सहाड़ा के निर्देशन मे विशेष टीम का गठन किया जिसका सुपरविजन पुलिस उप अधीक्षक ओमप्रकाश वृत आसीन्द ने किया । विशेष टीम करेड़ा थानाधिकारी पुरणमल मीणा के नेतृत्व में गठित की ।

टीम की कार्यवाही

उच्चाधिकारियों के निकटतम सुपरविजन में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ कार्यवाही एवं आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम हेतु रात्रि गश्त के दौरान गठित टीम द्वारा चारभुजा कॉम्प्लेक्स होण्डा कम्पनी के शोरूम के सामने कस्बा करेडा में खडी मारूति वैगनार कार में अवैध मादक पदार्थ गांजा एम डी ए 14 ग्राम अपने कब्जे में रख परिवहन करने पर मादक पदार्थ को जब्त कर आरोपियों

को गिरफ्तार किया गया जिनके खिलाफ 8/22 एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही शुरू की है।

पुलिस टीम में ये रहे शामिल

थानाप्रभारी पुरण मल मीणा, शरीफ मोहम्मद सउनि, पुखापुरी, राकेश कुमार, भगवान, जितेन्द्र सिंह, संजय, महेन्द्र, सुरेन्द्र कुमार शामिल रहे ।

यह हुए गिरफ्तार

प्रमोद माली पिता गोपाल माली उम्र 28 साल निवासी मोड का निम्बाहेडा पुलिस थाना आसीन्द जिला भीलवाडा और मुकेश तेली पिता गजानन्द तेली उम्र 26 साल निवासी भगवान पुरा पुलिस थाना माण्डल जिला भीलवाडा को गिरफ्तार किया ।

महाशिवरात्रि पर माली समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा, अघोरी नृत्य और शिव झांकी ने मोहा मन

▪ स्मार्ट हलचल

महादेव मंदिर में गूंजे जयकारे; पुजारी शंकर महाराज के सानिध्य में हुआ दुग्धाभिषेक, जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत

लाडपुरा / कस्बे में रविवार को महाशिवरात्रि का पर्व हर्षोल्लास और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। माली समाज के तत्वावधान में महादेव मंदिर को आकर्षक रोशनी और फूलों से सजाया गया। इस अवसर पर समाज की ओर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा।

अघोरी नृत्य बना आकर्षण का केंद्र

शोभायात्रा माली समाज के नोहरे से शुरू होकर गाजे-बाजे के साथ मुख्य बाजार से गुजरी। यात्रा में भगवान शिव की विशाल जीवंत झांकी और कलाकारों द्वारा प्रस्तुत अघोरी नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिसे देखने के लिए ग्रामीणों की भीड़ उमड़ पड़ी। ग्रामवासियों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भगवान शिव की सवारी का स्वागत किया।

विशेष श्रृंगार और महाआरती

शोभायात्रा के महादेव मंदिर पहुंचने पर माहौल शिवमय हो गया। यहाँ पुजारी शंकर महाराज द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान भोलेनाथ का दुग्धाभिषेक कर विशेष श्रृंगार किया गया। समाज बंधुओं ने महाआरती कर देश और प्रदेश की खुशहाली की कामना की, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया।

समाज की एकता का प्रतीक

इस आयोजन में माली समाज के प्रबुद्धजन, युवा, महिलाएं और बड़ी संख्या में ग्रामवासी शामिल हुए। वक्ताओं ने कहा कि यह यात्रा समाज की एकता और भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था का प्रतीक है।

26 अप्रैल को आयोजित होगा ऊपरमाल धाकड़ समाज का 27 वा सामूहिक विवाह सम्मेलन

▪ स्मार्ट हलचल

ओंकार लाल बने विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष

भीलवाड़ा । ऊपरमाल आदर्श धाकड़ समाज के 27 सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर आज समाज के कार्यालय पर बैठक का आयोजन हुआ जिसमें सर्वसम्मति से ओंकार लाल धाकड़ को अध्यक्ष बनाया गया। यह सम्मेलन 26 अप्रेल को आयोजित होगा जिसके लिए आज 2 जोड़ों का पंजीयन हुआ है।

ऊपरमाल आदर्श धाकड़ समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन को लेकर आदर्श धाकड़ विद्यापीठ सीनियर सेकंडरी स्कुल प्रांगण में समाज अध्यक्ष मांगीलाल धाकड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई जिसमें भीलवाड़ा के पूर्व जिला प्रमुख इंजी कन्हैयालाल धाकड़ को आजीवन संरक्षक तथा श्री धाकड़ महासभा की प्रदेश अध्यक्ष तथा विवेक सुषमा धाकड़ चेरेटीबल ट्रस्ट की चेयरमैन दीपशिखा धाकड़ को संयोजक बनाया गया इस अवसर पर औकार लाल धाकड़ गिरधर पूरा को 27 वे सामुहिक विवाह सम्मेलन का अध्यक्ष बनाया गया तथा राधेश्याम धाकड़ थड़ौदा को सचिव तथा एडवोकेट रामफूल लक्ष्मी खेड़ा तथा एडवोकेट लोकेश धाकड़ थड़ौदा को सर्वसम्मति से सह सचिव नियुक्त किया गया । नव निर्वाचित सभी पदाधिकारियों का समाज के उपस्थित गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया।

उल्लेखनीय है कि समाज को विवाह समारोहों में होने वालीं फिजूल खर्च से बचाने के लिए भीलवाड़ा के पूर्व जिला प्रमुख इंजीनियर कन्हैया लाल धाकड़ के प्रयास से 1998 से शुरू किया गया यह सामुहिक विवाह सम्मेलन अनवरत किया जा रहा है जो अन्य समाजो के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

आगामी 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले इस 27 वे सामुहिक विवाह सम्मेलन के लिए रविवार को 2 जोड़ों का पंजीयन हुआ है तथा इसकी तैयारियां को लेकर प्रत्येक रविवार को आदर्श धाकड़ विद्यापीठ सीनियर सेकंडरी स्कुल प्रांगण में समाज की बैठक आयोजित होगी जिसमें तैयारियों को लेकर आवशयक निर्णय लेकर कार्यकर्ताओं को अलग अलग जिम्मेदारी दी जायेगी।

महाशिवरात्रि पर हमीरगढ़ में सजी काशी विश्वनाथ की पालकी,उज्जैन महाकाल की तर्ज पर हुआ आयोजन

▪ स्मार्ट हलचल

मंगरोप। कस्बे में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धा,भक्ति और आस्था से ओतप्रोत काशी विश्वनाथ की भव्य पालकी शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा उज्जैन के महाकाल की तर्ज पर आयोजित की गई,जिसमें शिवभक्तों को बाबा भोलेनाथ की दिव्य झलक देखने को मिली।शोभायात्रा का शुभारंभ काशी विश्वनाथ मंदिर से ढोल-नगाड़ों,डमरू-तासों की गूंज के साथ शुरू हुआ।पालकी यात्रा कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई आगे बढ़ी।निर्धारित मार्ग के अनुसार यह यात्रा मस्जिद चौक,सदर बाजार,नरसिंह मंदिर,सब्जी मंडी, होली का चौक, खटीक मोहल्ला,घाटी मोहल्ला और नई आबादी से गुजरते हुए पुनः काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंची।शोभायात्रा के समापन पर मंदिर परिसर में विधिवत महाआरती का आयोजन हुआ,जहां श्रद्धालुओ ने बाबा शिव की आराधना कर पुण्य लाभ अर्जित किया।इस अवसर पर पूरा कस्बा हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।इस भव्य आयोजन का विशेष आकर्षण उज्जैन की महाकाल झांकी रही,जो श्रद्धालुओं को भगवान महाकाल की अलौकिक अनुभूति करवाती है साथ ही उज्जैन से आए अघोरी कलाकारों द्वारा तांडव नृत्य,साधना और विभिन्न झांकियों का सजीव प्रदर्शन किया गया,जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा। आयोजकों के अनुसार शोभायात्रा को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक तैयारियां की गई थी।सुरक्षा,व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर स्वयंसेवक व आयोजन समिति पूरी तरह मुस्तैद रही।महाशिवरात्रि के इस पावन अवसर पर हमीरगढ़ में शिवभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।इस दौरान हमीरगढ़ शहर में जगह जगह शोभायात्रा पर पुष्प वर्षा की गई।बड़ी संख्या में शहर सहित आसपास क्षेत्र के लोग शोभायात्रा को देखने पहुंचे।

महिलाओं ने मनाई भव्य महाशिवरात्रि, भजन-पूजन से गूंजा पटेल नगर विस्तार

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा / शहर के पटेल नगर विस्तार में पूर्वांचल जन चेतना समिति (चेरिटेबल ट्रस्ट) एवं मणि एजुकेशनल सोसायटी भीलवाड़ा की महिला शक्तियों द्वारा महाशिवरात्रि का पावन पर्व अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। धार्मिक उल्लास से परिपूर्ण इस आयोजन में क्षेत्र की महिलाओं, युवतियों एवं श्रद्धालुओं की उल्लेखनीय भागीदारी रही। पूरे क्षेत्र में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा और शिव भक्ति की गूंज देर तक सुनाई देती रही।

कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। महिलाओं ने भगवान शिव का दुग्ध, जल, बेलपत्र एवं पुष्पों से अभिषेक कर विधि-विधान से पूजन किया। इसके पश्चात सामूहिक भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिसमें "हर-हर महादेव" और शिव स्तुति के जयकारों से पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने भाव-विभोर होकर भजनों में सहभागिता की।

इस अवसर पर सामूहिक आरती का आयोजन भी किया गया। आरती में उपस्थित सभी महिलाओं ने दीप प्रज्वलित कर परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की। आयोजन स्थल को आकर्षक सजावट, फूलों और रंगोली से सजाया गया था, जिससे धार्मिक गरिमा और भी बढ़ गई।

आयोजन में समिति की कार्यकारिणी सदस्य शिल्पी सिंह, अनुराधा झा, सावित्री कुशवाहा, रीता तिवारी, पूजा कुशवाहा, निर्मला देवी, जलसा देवी, सरिता देवी सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं और कार्यक्रम को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई।

समिति की महिला पदाधिकारियों ने बताया कि ऐसे धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रम समाज में एकजुटता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम बनते हैं। उन्होंने कहा कि महिला शक्ति न केवल घर-परिवार बल्कि सामाजिक और धार्मिक आयोजनों में भी सक्रिय भूमिका निभा रही है, जो समाज के लिए प्रेरणादायी है।

कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने आयोजन की सराहना करते हुए समिति की महिला सदस्यों के प्रयासों को प्रशंसनीय बताया।

महाशिवरात्रि के इस भव्य आयोजन ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि जब महिलाएं संगठित होकर समाजहित में कार्य करती हैं, तो वह केवल धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि सामाजिक जागरूकता और एकता का सशक्त संदेश भी बन जाता है।

दो माह में तैयार होंगी डीपीआर, 6.11 लाख करोड़ का बजट 'विकसित राजस्थान' की दिशा में निर्णायकः सी.पी. जोशी

▪ स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़ । सी.पी. जोशी, सांसद चित्तौड़गढ़, ने वर्ष 2026-27 के राज्य बजट पर श्रीजी होटल में आयोजित प्रेसवार्ता में राज्य सरकार की घोषणाओं और उनके क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पर 6.67 लाख करोड़ रुपये का कर्ज होने के बावजूद 6.11 लाख करोड़ रुपये का बजट प्रस्तुत किया गया है, जो प्रदेश के इतिहास का अब तक का सबसे बड़ा बजट है। बजट की व्यवहारिकता पर उठ रहे सवालों के जवाब में जोशी ने स्पष्ट किया कि बजट घोषणाओं को धरातल पर उतारने के लिए दो महीने के भीतर विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने के निर्देश दिए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभा में तीन दिन पहले पेश किए गए बजट में शहर और जिले से संबंधित घोषणाओं के लिए प्रशासन को दो माह के भीतर डीपीआर तैयार करने को कहा गया है, ताकि योजनाओं का शीघ्र क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा सके। प्रेसवार्ता में सौर ऊर्जा के स्थान पर छोटे घरेलू विंड टर्बाइन से बिजली उत्पादन, सोलर पैनलों के अपशिष्ट के भविष्य में निस्तारण और पुनर्चक्रण, कार्बन उत्सर्जन तथा पीएम कुसुम योजना में कम दरों पर हुए गैर-लाभकारी टेंडरों के संबंध में भी प्रश्न पूछे गए। विशेष रूप से चित्तौड़गढ़ में 2.49 रुपये प्रति यूनिट की दर पर हुए पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) के बाद बैंकों द्वारा ऋण स्वीकृति में आ रही कठिनाइयों का मुद्दा उठाया गया। इस पर जोशी ने कहा कि विंड टर्बाइन आधारित बिजली उत्पादन के विकल्प पर विचार किया जाएगा और सोलर वेस्ट के निस्तारण को लेकर शोध कार्य जारी है। साथ ही कुसुम योजना में कम दरों से संबंधित फाइलों पर संज्ञान लिया गया है। जोशी ने कहा कि यह बजट केंद्र की मोदी सरकार के 'विकसित भारत' संकल्प के अनुरूप 'विकसित राजस्थान' के लक्ष्य पर केंद्रित है। बजट में ग्रामीण विकास के लिए 3,359 करोड़ रुपये तथा कृषि एवं सिंचाई क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए 11,368 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने दावा किया कि बिजली क्षेत्र में राजस्थान आत्मनिर्भर बनने की दिशा में अग्रसर है और बजट में 'विकसित चित्तौड़गढ़' का लक्ष्य भी निहित है। उन्होंने बताया कि जिले के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। वर्षों से लंबित बायोलॉजिकल पार्क और गंभीरी रिवर फ्रंट जैसी मांगों को भी बजट में स्थान मिला है। घोषणाओं के क्रियान्वयन पर उठे प्रश्नों के उत्तर में विधायक श्रीचंद कृपलानी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बजट के अगले ही दिन अधिकारियों की बैठक लेकर दो-तीन माह में सभी योजनाओं की डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने दावा किया कि पिछले दो बजटों की अधिकांश घोषणाओं पर कार्य प्रारंभ हो चुका है। विधायक चंद्रभान सिंह आक्या ने कहा कि उनके विधानसभा क्षेत्र में पूर्व बजटों की घोषणाएं धरातल पर उतर रही हैं और कपासन चौराहा–मानपुरा बाइपास के टेंडर शीघ्र जारी होकर कार्य प्रारंभ होगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष अल्का मूंदड़ा, जिलाध्यक्ष रतनलाल गाडरी, महामंत्री हर्षवर्धन सिंह एवं रघु शर्मा, नगर मंडल अध्यक्ष गौरव त्यागी तथा अनिल ईनाणी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मीडिया प्रभारी मनोज पारीक ने किया।

स्व. रामलाल बैरवा की स्मृति में 28 को लगेगा विशाल निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर

▪ स्मार्ट हलचल

करेड़ा -उप खंड क्षेत्र के लादूवास शंभूपुरा।चित्तौड़गढ़ जिले के ग्राम नेगड़िया कला में आगामी 28 फरवरी को प्रातः 10 से दोपहर 1 बजे तक रामजी बैरवा फार्म हाउस में सेवा और समर्पण की एक अनूठी मिसाल देखने को मिलेगी। राजस्थान पुलिस के सेवानिवृत्त हेड कांस्टेबल स्वर्गीय रामलाल बैरवा की चतुर्थ पुण्य स्मृति पर उनके पुत्र सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) सूरज कुमार एवं समस्त ग्रामवासियों द्वारा एक विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन गोमाबाई नेत्रालय नीमच द्वारा जिला अंधत्व निवारण समिति चित्तौड़गढ़ की प्रशासनिक अनुमति एवं जिला अंधत्व निवारण समिति नीमच के आर्थिक सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

पुलिस ने राजकॉप FIR का दुरुपयोग कर ठगी करने वाले साइबर आरोपी को गिरफ्तार किया

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा : भीलवाड़ा पुलिस ने साइबर ठगी के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए सत्येन्द्र सिंह नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी राजकॉप ऐप से थानों की FIR डाउनलोड कर पीड़ितों के मोबाइल नंबर निकालकर स्वयं को 'SP' या 'SHO' बताकर न्याय दिलाने का झांसा देकर वसूली करता था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को मध्यप्रदेश-उत्तरप्रदेश सीमा के पास जंगलों में छिपे होने के बाद दो दिन की कैंपिंग और तलाशी के बाद पकड़ा गया।

» 'साइबर व रायला पुलिस की संयुक्त टीमकी कार्रवाई - 2 दिन जंगल कैंपिंग के बाद एमपी-यूपी बॉर्डर

से साइबर आरोपी सत्येन्द्र गिरफ्तार।'

जिला साइबर सेल की तकनीकी जांच में कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) और डिजिटल ट्रैकिंग के आधार पर आरोपी की लोकेशन महेबा चक्र-2, लिधौरा, जिला टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश) में चिन्हित की गई। स्थानीय पुलिस चौकी जेवर और थाना चनेरा के सहयोग से सत्येन्द्र को विधिवत हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह RajCop Citizen App और अन्य ऑनलाइन सिटीजन सर्विस प्लेटफॉर्म पर फर्जी नंबरों से लॉगिन कर FIR की कॉपी डाउनलोड करता था और उसमें उपलब्ध पीड़ितों के नंबर लेकर संपर्क कर ठगी करता था।

» 'आरोपी द्वारा पूछताछ में सामने आया कि आरोपी RajCop Citizen App एवं अन्य राज्यों की ऑनलाइन सिटीजन सर्विस एप/वेबसाइट पर फर्जी मोबाइल नंबर से लॉगिन कर विभिन्न थानों की FIR कॉपी डाउनलोड करते है।'

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने राजस्थान के सैकड़ों लोगों को निशाना बनाया और भीलवाड़ा जिले में 40 से अधिक लोगों के साथ इसी तरह के ठगी प्रयास पाए गए। गिरफ्तार आरोपी का नाम सतेन्द्र सिंह / देशपत यादव (26), निवासी महेबा चक्र-2, लिधोरा, थाना चनेरा, जिला टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश) बताया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक श्री धर्मेन्द्र सिंह, आई.पी.एस. ने कहा कि साइबर अपराधी लगातार नए तरीके अपना रहे हैं और आमजन को सतर्क रहने की आवश्यकता है।

पुलिस ने नागरिकों से आग्रह किया है कि किसी भी अनजान कॉल या संदेश पर भरोसा न करें और न्याय या कार्रवाई के नाम पर किसी को राशि न दें। संदिग्ध कॉल/मैसेज की सूचना 1930 साइबर हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाना को देने का निर्देश दिया गया है। जिला साइबर टीम और थाना रायला की संयुक्त टीम ने इस कार्रवाई में प्रमुख भूमिका निभाई।

क्रिकेट प्रतियोगिता का सफलतापूर्वक समापन

▪ स्मार्ट हलचल

आसींद :- परासोली में आयोजित परासोली होम लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का आज सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस टूर्नामेंट में कुल 5 टीमों ने भाग लिया, जिनमें प्यूरिकेन, केसरी नंदन, कृष्णा डेयरी, कुमावत कंप्यूटर्स और साँवरिया कंस्ट्रक्शन शामिल रही।

टूर्नामेंट की खास बात यह रही कि सभी टीमों के कप्तान और खिलाड़ियों का चयन ऑक्शन प्रक्रिया के माध्यम से किया गया था। सभी टीमों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार खेल का प्रदर्शन किया। लीग मैचों के बाद फाइनल मुकाबला प्यूरिकेन और कान्हा डेयरी के बीच खेला गया।

फाइनल मुकाबले में प्यूरिकेन टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की और विजेता बनी, जबकि कान्हा डेयरी टीम उपविजेता रही। फाइनल मैच में प्यूरिकेन टीम के कप्तान लक्ष्मीनारायण ने शानदार पारी खेली और टीम के सभी खिलाड़ियों ने उनका अच्छा साथ दिया।

प्यूरिकेन टीम के स्पॉन्सर रवि प्रकाश कुमावत ने बताया कि उनकी टीम पूरे टूर्नामेंट में अच्छी फॉर्म में रही, खिलाड़ियों ने कड़ी मेहनत की और उसी का परिणाम जीत के रूप में मिला।

इस मौके पर सभी टीमों के स्पॉन्सर और गांव के गणमान्य नागरिकों का सहयोग रहा। गांव के समाजसेवी गोविंद कुमावत भामाशाह के रूप में आगे आए और उन्होंने टूर्नामेंट के लिए अच्छा आर्थिक सहयोग प्रदान किया।

राहुल भटनागर पुनः अध्यक्ष निर्वाचित, ग्रीन पीपल सोसाइटी की नई कार्यकारिणी गठित

▪ स्मार्ट हलचल

उदयपुर । दक्षिण राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता

के क्षेत्र में सक्रिय ग्रीन पीपल सोसाइटी, उदयपुर की साधारण सभा में नई कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मति से किया गया। कार्यकारिणी में सेवानिवृत्त मुख्य वन संरक्षक राहुल भटनागर को पुनः अध्यक्ष निर्वाचित किया गया है । निर्वाचन प्रक्रिया सेवानिवृत्त ओ.पी. शर्मा के निर्देशन में शांतिपूर्वक सम्पन्न हुई। संस्था के विधानानुसार प्रत्येक दो वर्ष में कार्यकारिणी का पुनर्गठन किया जाता है। इसी क्रम में आगामी कार्यकाल हेतु नई टीम का चयन किया गया। साथ ही, ट्रस्ट पंजीयन (8 अप्रैल 2024) की अवधि पूर्ण होने के निकट होने के कारण सोसाइटी एवं ट्रस्ट—दोनों के चुनाव एक साथ कराने का निर्णय लिया गया।

वर्ष 2026-27 की कार्ययोजना

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी वर्ष में भी वन विभाग, विभिन्न सामाजिक संगठनों तथा विश्व प्रकृति निधि के सहयोग से पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता संवर्धन, वृक्षारोपण और जन-जागरूकता से जुड़े कार्यक्रम पूर्ववत संचालित किए जाएंगे। जयपुर बर्ड फेयर के सफल आयोजन में सहयोग के लिए विक्रम सिंह चौहान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। साथ ही पिपलांत्री पंचायत, ग्रीन पीपल सोसाइटी एवं टेरा ब्लू कम्पनी के मध्य प्रस्तावित त्रिपक्षीय एमओयू तथा कार्बन क्रेडिटिंग पहल पर भी सारगर्भित चर्चा हुई।

नई कार्यकारिणी

नवगठित कार्यकारिणी में राहुल भटनागर को पुनः अध्यक्ष चुना गया, जबकि विक्रम सिंह चौहान और डॉ. शरद श्रीवास्तव उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। सुगंध जालान को कोषाध्यक्ष, डॉ. सतीश शर्मा को सचिव तथा एस.एन. दवे को सह सचिव का दायित्व सौंपा गया। सदस्य के रूप में सुहेल मजबूर, पी.एस. चुंडावत, डॉ. ललित जोशी एवं अरुण सोनी का चयन किया गया। चुनाव अधिकारी ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संस्था की निरंतर प्रगति की कामना की।

इस अवसर पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष राहुल भटनागर ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संस्था की गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया। चुनाव अधिकारी ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं।

ललिता देवी की आंखों से दो नेत्रहीनों को मिलेगी नई नेत्र ज्योति

▪ स्मार्ट हलचल

दुख के समय में भी परोपकार का निर्णय बढ़ा रहा है नेत्रदान की पहल

भवानी मंडी / अत्यंत दुख में जब शोक स्तब्ध कुछ भी समझ पाना असंभव सा हो ऐसे में गुप्ता परिवार के नेत्रदान के निर्णय की पूरे झालरापाटन में सराहना हो रही है। मेड़तवाल समाज झालरापाटन के पूर्व अध्यक्ष सूरजमल गुप्ता की पत्नी ललिता देवी शनिवार रात्रि को पैर फिसलने के कारण छत से निचे गिर गई जिसको लेकर परिवारजन तुरंत कोटा दौड़ पड़े परंतु सिर पर गहरी चोट एवं रक्तस्राव के कारण उन्होंने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। यह अप्रत्याशित समाचार पूरे परिवार के लिए एक सदमा भरा था परंतु पार्थिव शरीर के घर पहुंचने के बाद सूरजमल गुप्ता ने अपने पुत्र अशोक एवं निर्मल से माता के नेत्रदान के लिए बातचीत की, अशोक गुप्ता पहले से भारत विकास परिषद भवानीमंडी के नेत्रदान कार्यक्रम से जुड़े हुए हैं, ऐसे में परिवार की स्वीकृति मिलने के बाद दामाद मोहित गुप्ता के माध्यम से नेत्रदान संयोजक कमलेश गुप्ता दलाल को सूचित किया गया एवं सूचना पर शाइन इंडिया फाउंडेशन कोटा के डॉ कुलवंत गौड़ ने ज्योति-रथ से जल्द सुबह झालरापाटन पहुंच कर घर पर उपस्थित परिवारजनों एवं समाज सदस्यों के सामने नेत्रदान प्रक्रिया संपादित करके कॉर्निया प्राप्त किया। नेत्रदान प्रक्रिया में पदम गुप्ता, अतुल गुप्ता, हरी गुप्ता, अजय गोयल इत्यादि ने सहयोग किया। नेत्रदान के पश्चात शाइन इंडिया फाउंडेशन के द्वारा परिवार को प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। नेत्र उत्सरक डॉ कुलवंत गौड़ के अनुसार नेत्रदानी ललिता देवी का कॉर्निया अच्छा पाया गया है, जिसे आई बैंक जयपुर भिजवा दिया गया है जहां यह दो असहाय नेत्रहीनों को नई ज्योति प्रदान कर सकेगा। कमलेश गुप्ता ने बताया कि इस हादसे की खबर जेसे ही कस्बे एवं आसपास के क्षेत्र में फैली, बड़ी संख्या में लोगों का घर पर जमावड़ा लग गया। सभी ने परिवार के द्वारा नेत्रदान की परोपकारी पहल की सराहना करते हुए इस हृदय विदारक घटना पर भारी दुख प्रकट किया। डॉ कुलवंत के अनुसार नेत्रदान भारी संताप के समय में भी परिवार के दुख को कम करता है।

महाशिवरात्रि पर्व पर मांडल खंड में नन्ही सेविकाओं द्वारा निकाला घोष संचलन

नित्य प्रतिदिन शाखा में आकर श्रेष्ठ भारत के निर्माण में अपना योगदान दे: नीलू मालू

▪ स्मार्ट हलचल

भीलवाड़ा ।। महाशिवरात्रि पर्व पर राष्ट्र सेविका समिति मांडल खंड द्वारा कस्बे में रविवार को घोष संचलन निकाला गया। सभी नन्ही सेविकाओ ने ताल से कदम ताल मिलाते हुए अपनी संगठन शक्ति का परिचय दिया संचलन नीलकंठ महादेव मंदिर से आरंभ होकर नई नगरी, वीर मोहल्ला, मूलचंद जी काबरा की दुकान, भडिया मोहल्ला, मंडोवरा चौक, बड़ा मंदिर चौक, लढा गली, लखारा चौक, सदर बाजार, देवनारायण मंदिर गली, धान मंडी, सब्जी मंडी, प्रताप सर्कल, बस स्टैंड होते हुए वापस नीलकंठ मंदिर पर समाप्त हुआ। मार्ग में समाज जन ने सेविकाओ का उत्साह वर्धन करते हुए पुष्प वर्षा की संचलन के समापन पर विभाग कार्यवाहिका मनीषा जाजू ने सभी सेविकाओं को सफल घोष संचलन की बधाई दी।

जिला कार्यवाहिका जंशु खारोल ने बताया कि सभी सेविकाओ को नित्य शाखा में घोष का अभ्यास करवाया जाता है। प्रतिदिन शाखा में अभ्यास से ही आज संचालन में 5 वर्ष की नन्ही बालिका भी घोष संचालन में सम्मिलित हुई।

अंत में विभाग बौद्धिक प्रमुख नीलू मालू ने सभी सेविकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम सभी को अपने अंतर निहित शक्तियों का उचित उपयोग करते हुए राष्ट्रहित के कार्य में संलग्न रहना है और नित्य प्रतिदिन शाखा में आकर मानसिक, शारीरिक और बौद्धिक क्षमता को विकसित करते हुए श्रेष्ठ भारत के निर्माण में अपना योगदान देना है।

प्रांत तरुणी प्रमुख कीर्ति सोलंकी ने संगठन का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताया कि राष्ट्र सेविका समिति स्त्री के स्व संरक्षण क्षम होने पर कार्य कर रही है अंत में खंड कार्यवाहिका पार्वती तोतला ने सभी का आभार व्यक्त किया। संचलन में कुल 50 मातृशक्ति की उपस्थित रही। और संचालन में कानून व्यवस्था बनाए के लिए मांडल थाना प्रभारी रोहिताश यादव और पुलिस के जवान उपस्थित रहे।

फसल निकाल कर लाते समय ट्रैक्टर पलटा, किसान की मौत

▪ स्मार्ट हलचल

लाखेरी - उपखंड क्षेत्र के देईखेड़ा थाना क्षेत्र में रविवार को बड़हावली गांव में खेत से सरसो लेकर आ रहे ट्रेक्टर के असन्तुलित होकर पलटने से चालक की दर्दनाक मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार देईखेड़ा पुलिस थाने के एएस आई कन्हैयालाल मीणा ने बताया कि शनिवार को बड़हावली गांव निवासी किसान बजरंग लाल मीणा आत्मज किशन लाल मीणा उम्र 52 वर्ष अपने खेत में से सरसो की फसल निकाल कर ट्रॉली में भर कर घर ले जा रहा था, तो खेत से निकालते समय अचानक ट्रैक्टर असन्तुलित होकर पलट गया, जिसके नीचे दबने से चालक बजरंग लाल की मौत हो गई। सूचना पर पुलिस एवं परिजन मौके पर पहुंच कर जेसीबी मशीन से ट्रेक्टर हटा कर शव को निकाला। पुलिस ने देईखेड़ा राजकीय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सौंप दिया। प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

सहायता की मांग, अचानक हुए हादसे से परिजनों का बुरा हाल पूर्व सरपंच पवन मीणा समाजसेवी बाबूलाल मीणा सहित ग्रामीणों ने मृतक के परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति देखते हुए सरकार से आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

न्यायालय के आदेश पर पशु क्रूरता व महिला से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज

▪ स्मार्ट हलचल

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा अढैंया इनायतपुर में पशु क्रूरता एवं महिला से छेड़छाड़ के आरोप में न्यायालय के आदेश पर दो व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

गांव की एक महिला ने आरोप लगाया है कि दिनांक 16 नवंबर 2025 को वह जंगल में अपनी बकरियां चरा रही थी। इसी दौरान उसकी एक बकरी चरते-चरते गांव निवासी हनीफ के बगीचे में चली गई। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर हनीफ ने बकरी को डंडे से मारना शुरू कर दिया।

महिला का कहना है कि जब वह बकरी को बचाने और बीच-बचाव करने पहुंची, तो हनीफ व इदरीश ने उसके साथ अभद्रता की। आरोप है कि दोनों ने उसे बदनाम करने की नीयत से छेड़छाड़ की और उसके कपड़े फाड़ दिए। जिसकी सूचना महिला के द्वारा डायल 112 सहित स्थानीय थाने को दिया गया लेकिन आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई न होने के कारण न्यायालय का रुख किया पीड़िता द्वारा न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिए जाने के बाद न्यायालय के आदेश पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में हनीफ व इदरीश के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वत्वाधिकार प्रकाशन एवं मुद्रक राजकुमार आमेटा के लिए स्मार्ट कम्प्यूटर्स एण्ड प्रिन्टर्स, कोर्ट के सामने, माण्डलगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। सह. सम्पादक मो. 9649222850 Email.smarthalchalnews@gmail.com

'विशिष्ट' को 'अपशिष्ट' प्रमाणित करती एपस्टीन फ़ाइल्स

▪ तनवीर जाफ़री

▪ स्मार्ट हलचल

इनदिनों जेफरी एपस्टीन फ़ाइल्स के रहस्योद्घाटनों ने पूरी दुनिया में हलचल मचाकर रख दी है। पिछले दिनों अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा 30 लाख से भी अधिक पृष्ठों की नई फ़ाइल्स आने के बाद दुनिया के कई हाई-प्रोफ़ाइल लोगों के नाम उजागर हुये। अमेरिका का रहने वाला जेफ़री एपस्टीन व उसके माता-पिता यहूदी परिवार से थे। 20 जनवरी 1953 को ब्रुकलिन न्यूयॉर्क, में जन्मे एपस्टीन की मृत्यु 2019 में बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में हुई थी। हालांकि उसकी मौत को अधिकारिक रूप से आत्महत्या घोषित किया गया था। परन्तु चूँकि उसकी मौत के दिन जेल के कैमरे ख़राब पाये गये और गार्ड्स भी उस समय सोए हुये थे। इसलिए एपस्टीन की हत्या का भी संदेह व्यक्त किया जाता है। हत्या की थ्योरी इसलिये भी रची जा रही है क्योंकि ऐसा माना जाता है कि एपस्टीन के पास दुनिया की स्वयंभू '' विशिष्ट हस्तियों ' की दरिन्दिगी व काले कारनामों के ऐसे सुबूत थे जो उनके चेहरों को बेनक़ाब कर सकते थे। जेफ़री एपस्टीन के पास फ़्लोरिडा , न्यू मैक्सिको, पेरिस और कैरिबियन के यू.एस. वर्जिन आइलैंड्स में प्राइवेट द्वीप जैसी कई संपत्तियां थीं। उस पर नाबालिग़ लड़कियों का यौन शोषण और तस्करी करने,नाबालिग़ लड़कियों से सेक्स करने,अपने 'विशिष्ट ' अतिथियों को सेक्स हेतु नाबालिग़ लड़कियां परोसने यहाँ तक कि सेक्स के बाद उनकी हत्या करने जैसे संगीन आरोप थे।

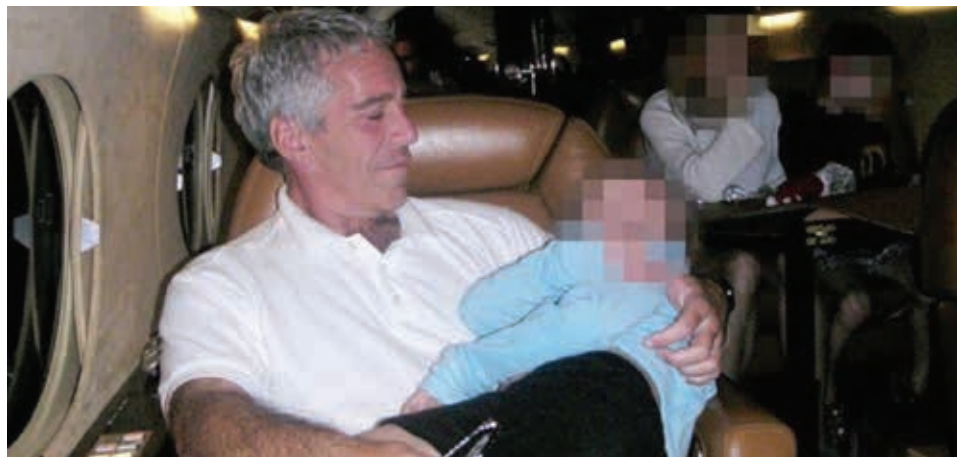

अमीर यहूदी फ़ाइनेंसर एपस्टीन, सैकड़ों नाबालिग़ लड़कियों जिनमें अधिकांश 11 से 17 वर्ष आयु की होती थीं,को अपने घरों, प्राइवेट आइलैंड और प्राइवेट जेट पर लाकर उनका वहशी की तरह यौन शोषण किया करता था। वह लड़कियों को 'मसाज' के बहाने बुलाता, पैसे देता, फिर उन्हें सेक्स के लिए मजबूर करता था। एपस्टीन को किशोरावस्था की शुरुआती उम्र वाली लड़कियों के साथ सैक्स करने में विशेष दिलचस्पी थी। उसने स्वयं यह स्वीकारोक्ति की थी कि उसे 'रोज़ाना कम से कम तीन बार सेक्स चाहिए' और उसे युवा शरीर ही पसंद है। लड़कियों को 'ख़रीदना' उसे गॉड जैसा एहसास दिलाता था। वह ग़रीब लड़कियों को पैसे, गिफ़्टस आदि देकर कंट्रोल किया करता था। उसकी पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल जोकि इस समय जेल में है वही एपस्टीन की हवस पूरी करने के लिये लड़कियों को भर्ती करती थी। ख़बरों के अनुसार घिस्लेन के पिता रॉबर्ट मैक्सवेल इस्राईली इंटेलिजेंस, मोसाद से जुड़े थे। और मोसाद के इशारे पर ही एपस्टीन दुनिया की प्रमुख हस्तियों को निशाना बनाकर 'हनीट्रैप' रैकेट चलाता था। एपस्टीन की शिकार ज्यादातर लड़कियां ग़रीब,मजबूर व कमज़ोर परिवारिक पृष्ठभूमि से होती थीं। इनमें कई पीड़िताएँ आज भी ज़िंदा हैं और कोर्ट में बयान दे चुकी हैं। एपस्टीन को 2008 में फ़्लोरिडा में दोषी क़रार दिया गया था। परन्तु कहा जाता है कि उसके धनबल की वजह से उसे उस समय कम सज़ा मिली। 2019 में सेक्स ट्रैफ़िकिंग के आरोप में उसे फिर गिरफ़्तार किया गया। अदालत में उसके विरुद्ध 100 से भी अधिक पीड़िताओं ने गवाही दी। इन्हीं दस्तावेज़ों व फ़ोटोज़ के आधार पर उसे इसी क्लासिक चाइल्ड सेक्स ट्रैफ़िकिंग के केस में फिर सज़ा सुनाई गयी। और 2019 में ही बड़े ही रहस्यमयी ढंग से जेल में उसकी मौत भी हो गयी।

अब दुनिया में कोहराम इस बात को लेकर मचा हुआ है कि आख़िर इतने बड़े अपराधी तथा मानवता के दुश्मन दुश्चरित्र व्यक्ति के साथ दुनिया के स्वयंभू विशिष्ट लोगों के संबंध की वजह क्या थी ? आख़िर क्यों दुनिया के जाने माने लोग एपस्टीन के अलग अलग द्वीप पर जाया करते थे ? इस समय पूरी दुनिया को अपनी उंगलियों पर नचाने की कोशिश करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फ़्लाइट लॉग्स में 1990 के दशक में कई बार नाम आया। ब्लैक बुक में उनके नाम की प्रविष्टि पाई गयी। इसी तरह पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन का भी कई फ़्लाइट्स में नाम आया और वे एपस्टीन की पार्टनर घिस्लेन मैक्सवेल के साथ कई फ़ोटो में भी नज़र आये। ब्रिटेन के पूर्व प्रिंस,प्रिंस एंड्रयू का नाम तो सबसे सबसे ज्यादा विवादास्पद रहा। यौन शोषण के आरोप में एक दो नहीं बल्कि सैकड़ों बार उनका नाम आया। इसी तरह इस्राईल के पूर्व प्रधानमंत्री एहुद बाराक की एपस्टीन से नियमित मुलाक़ातें और संपर्क की चर्चा है। वहीँ स्पेन के पूर्व प्रधानमंत्री जोस मारिया आजनार का नाम भी पैकेज और ट्रैवल रिकॉर्ड्स में कई बार आया है। ब्रिटेन के पूर्व मंत्री और राजदूत पीटर मंडेलसन, पूर्व न्यू मैक्सिको गवर्नर बिल रिचर्डसन, कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति एंड्रेस पास्त्राना अरंगो जैसे राजनेताओं के नाम भी एपस्टीन फ़ाइल्स में किसी न किसी रूप में शामिल हैं।

उद्योग व फ़िल्म जगत की विश्वप्रसिद्ध हस्तियां भी एपस्टीन फ़ाइल्स से अछूती नहीं रहीं। एलन स्पेस एक्स के संस्थापक, सीईओ और मुख्य डिज़ाइनर,टेक बिलेनियर एलन मस्क,माइक्रोसॉफ़्ट को-फ़ाउंडर बिल गेट्स, वर्जिन ग्रुप के फ़ाउंडर रिचर्ड ब्रैनसन,पूर्व अमेरिकी ट्रेज़री सेक्रेटरी लैरी समर्स, फ़िल्म डायरेक्टर वुडी एलन,सिंगर माइकल जैक्सन, रोलिंग स्टोन्स के फ्रंटमैन मिक जैगर, तथा अभिनेता के विन स्पेसी जैसे अनेक लोगों के नाम किसी न किसी रूप में एपस्टीन फ़ाइल्स के रहस्योद्घाटनों में शामिल हैं। भारत में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, व्यवसायी अनिल अंबानी,भारतीय जनता पार्टी के नेता और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी, लेखक दीपक चोपड़ा, फ़िल्म डायरेक्टर अनुराग कश्यप, निर्देशक व अभिनेत्री नंदिता दास जैसे लोगों के नाम प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जेफ़री एपस्टीन फ़ाइल्स में पाए गए हैं। किसी के नाम फ़्लाइट्स लॉग्स में सामने आये तो किसी के लंबे समय तक एपस्टीन के संपर्क में रहने की बात सामने आयी। किसी के संदेशों और द्वीप भ्रमण करने का ज़िक्र आया तो किसे का एपस्टीन से पुराना सम्बन्ध निकला। एपस्टीन का किसी के साथ फ़्लाइट्स में नाम आया तो किसी का जेफ़री एपस्टीन के डिनर्स में शामिल होने पर नाम आया। कोई फ़ोटो में नज़र आया तो किसी को ई मेल भेजे व प्राप्त किये गये।

एपस्टीन फ़ाइल्स का व्यापक प्रभाव यह हुआ की इसमें नाम आने के बाद ब्रिटेन के शाही परिवार के पूर्व प्रिंस एंड्रयू की सभी सैन्य उपाधियां छीन ली गईं। उन्हें सार्वजनिक पदों व कर्तव्यों से हटाया गया। इतना ही नहीं बल्कि बाद में उन्हें शाही आवास विंडसर कैसल से बाहर भी निकाल दिया गया। अब वे खुद को 'प्रिंस' नहीं कह सकते। इसी तरह अनेक लोगों को अपने पदों से या तो इस्तीफ़ा देना पड़ा या पद छोड़ना पड़ा। ज़ाहिर है स्वयं को विशिष्ट बताने वाले व दुनिया की आँखों में धूल झोंककर स्वयं को सफ़ेदपोश साबित करने वाले मोसाद के जाल में फंस चुके लोग जेफ़री एपस्टीन जैसे दुर्दांत कुकर्मी से अपने संबंधों को छुपाने की कोशिश में तो ज़रूर लगे हैं। परन्तु यह भी सच है कि जेफ़री एपस्टीन फ़ाइल्स ने अनेक तथाकथित स्वयंभू 'विशिष्ट' लोगों को 'अपशिष्ट' भी प्रमाणित कर दिया है।

चुनाव के बाद चुप्पी: क्या राइट टू रिकॉल समय की मांग है?

▪ डॉ० सत्यवान सौरभ

▪ स्मार्ट हलचल

लोकतंत्र का मूल सिद्धांत यह है कि सत्ता जनता के हाथों में निहित होती है और निर्वाचित प्रतिनिधि जनता के सेवक होते हैं। चुनाव इसी व्यवस्था का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम हैं, जिनके द्वारा जनता अपने प्रतिनिधियों का चयन करती है। किंतु व्यवहार में यह आदर्श अक्सर कमजोर पड़ता दिखाई देता है। चुनाव से पहले नेता जनता के बीच सक्रिय रहते हैं, जनसभाएँ करते हैं, समस्याएँ सुनते हैं और बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन जैसे ही चुनाव संपन्न होता है और सत्ता मिलती है, वही नेता जनता से दूर होते चले जाते हैं। धीरे-धीरे स्थिति ऐसी बन जाती है कि जनता अपने ही प्रतिनिधियों से मिलने और अपनी बात रखने के लिए संघर्ष करती नजर आती है। यही वह विरोधाभास है जिसने "राइट टू रिकॉल" जैसे विचार को जन्म दिया है।

वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता के पास प्रतिनिधियों को नियंत्रित करने का एकमात्र प्रभावी साधन अगला चुनाव होता है, जो प्रायः पाँच वर्ष बाद आता है। यदि इस अवधि के दौरान कोई प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाए, जनता की समस्याओं की अनदेखी करे या अपने चुनावी वादों से पूरी तरह मुकर जाए, तो जनता असहाय बनी रहती है। यह असहायता लोकतंत्र में निराशा और अविश्वास को जन्म देती है। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि जिस जनता को प्रतिनिधि चुनने का अधिकार है, क्या उसे प्रतिनिधि को हटाने का अधिकार नहीं होना चाहिए?

"राइट टू रिकॉल" इसी प्रश्न का उत्तर प्रस्तुत करता है। इसका तात्पर्य है कि यदि कोई निर्वाचित प्रतिनिधि अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करता, जनता के विश्वास को तोड़ता है या लगातार जनविरोधी कार्य करता है, तो जनता एक निर्धारित संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से उसे कार्यकाल समाप्त होने से पहले ही पद से हटा सके। यह अवधारणा लोकतंत्र को केवल प्रतिनिधिक नहीं रहने देती, बल्कि उसे वास्तविक अर्थों में जवाबदेह बनाती है। इससे प्रतिनिधियों को यह स्पष्ट संदेश मिलता है कि उनकी जिम्मेदारी चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे कार्यकाल में जनता के प्रति बनी रहती है।

दुनिया के कई हिस्सों में इस विचार को व्यवहार में लाया गया है। उदाहरणस्वरूप, स्विट्ज़रलैंड में प्रत्यक्ष लोकतंत्र की परंपरा मजबूत मानी जाती है, जहाँ नागरिकों की भूमिका केवल प्रतिनिधि चुनने तक सीमित नहीं रहती। इसी तरह संयुक्त राज्य अमेरिका के कुछ राज्यों में स्थानीय स्तर पर रिकॉल चुनावों के माध्यम से निर्वाचित प्रतिनिधियों को हटाने की व्यवस्था मौजूद है। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि "राइट टू रिकॉल" कोई अव्यावहारिक कल्पना नहीं, बल्कि एक कार्यशील लोकतांत्रिक उपाय है।

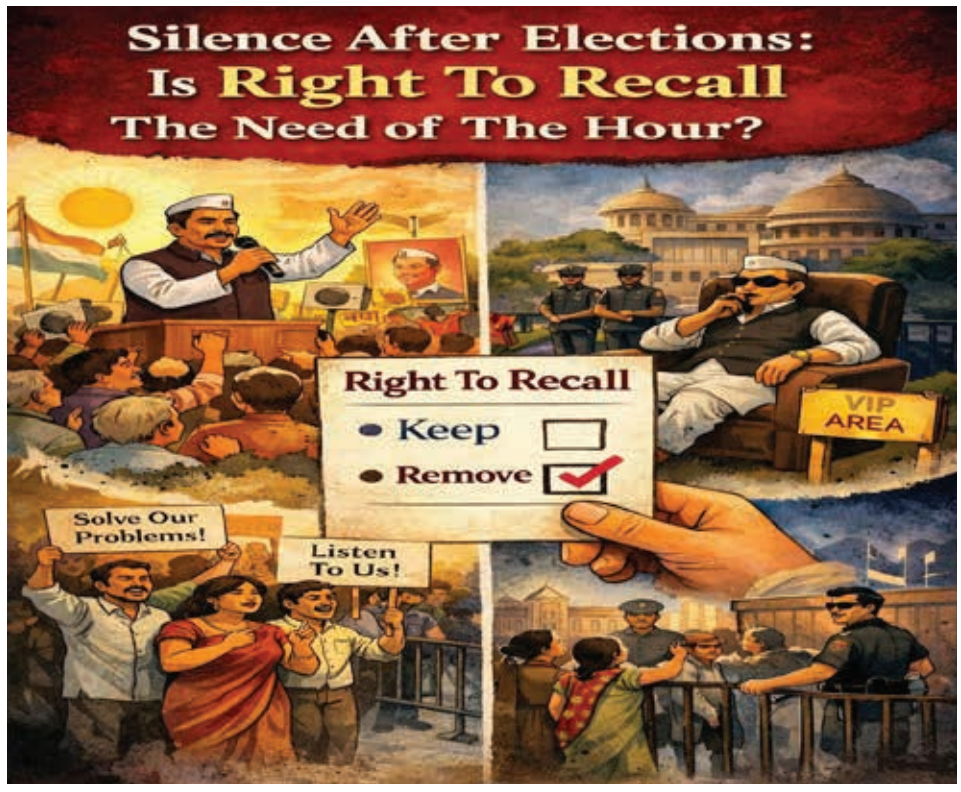

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में जवाबदेही का प्रश्न और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। यहाँ पंचायत स्तर पर कुछ राज्यों में सरपंच या स्थानीय प्रतिनिधियों को हटाने की सीमित व्यवस्थाएँ मौजूद हैं, किंतु विधायक और सांसद जैसे उच्च पदों के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। परिणामस्वरूप, कई बार जनता को पाँच वर्षों तक ऐसे प्रतिनिधियों को झेलना पड़ता है, जो न तो सदन में सक्रिय रहते हैं और न ही अपने क्षेत्र की समस्याओं के प्रति संवेदनशील होते हैं।

भारत में "राइट टू रिकॉल" की मांग समय-समय पर उठती रही है। इसके समर्थकों का मानना है कि यह व्यवस्था नेताओं में निरंतर जवाबदेही का भाव पैदा करेगी। जब प्रतिनिधि को यह ज्ञात होगा कि जनता चाहे तो उसे पद से हटा सकती है, तब वह जनहित के मुद्दों को गंभीरता से लेगा। इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा, सत्ता के दुरुपयोग की प्रवृत्ति कम होगी और लोकतंत्र केवल औपचारिक न रहकर जीवंत बनेगा। इसके अतिरिक्त, यह अधिकार जनता को केवल मतदाता नहीं, बल्कि सक्रिय लोकतांत्रिक भागीदार के रूप में स्थापित करेगा।

हालाँकि इस अवधारणा के आलोचक भी कम नहीं हैं। उनका तर्क है कि "राइट टू रिकॉल" से राजनीतिक अस्थिरता बढ़ सकती है। बार-बार रिकॉल की कोशिशें सरकारों को अस्थिर कर सकती हैं और विकास कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। इसके साथ ही यह आशंका भी व्यक्त की जाती है कि विपक्षी दल या प्रभावशाली हित समूह इस अधिकार का दुरुपयोग कर सकते हैं और जनभावनाओं को भड़काकर निर्वाचित सरकारों को गिराने का प्रयास कर सकते हैं। तात्कालिक असंतोष या अफवाहों के आधार पर लिया गया निर्णय दीर्घकालिक नीतियों के लिए नुकसानदेह हो सकता है।

इन आशंकाओं को नकारा नहीं जा सकता, लेकिन इन्हें आधार बनाकर "राइट टू रिकॉल" की अवधारणा को पूरी तरह खारिज कर देना भी उचित नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि इसे संतुलित और विवेकपूर्ण ढंग से लागू किया जाए। यदि रिकॉल प्रक्रिया शुरू करने के लिए मतदाताओं के एक बड़े हिस्से का समर्थन अनिवार्य किया जाए, कार्यकाल के शुरुआती और अंतिम चरणों में इस पर रोक लगाई जाए और पूरी प्रक्रिया स्वतंत्र तथा पारदर्शी संस्थाओं द्वारा संचालित हो, तो दुरुपयोग की संभावना काफी हद तक कम की जा सकती है।

लोकतंत्र कोई स्थिर व्यवस्था नहीं है; यह समय और समाज की आवश्यकताओं के अनुसार विकसित होता रहता है। जिस प्रकार सार्वभौमिक मताधिकार, सूचना का अधिकार और सामाजिक न्याय से जुड़े सुधारों ने लोकतंत्र को अधिक मजबूत बनाया, उसी प्रकार "राइट टू रिकॉल" भी लोकतांत्रिक विकास की अगली कड़ी के रूप में देखा जा सकता है। आज जब जनता पहले से अधिक जागरूक है, सूचना तक उसकी पहुँच व्यापक है और वह अपने अधिकारों के प्रति सजग हो रही है, तब लोकतंत्र में जवाबदेही के नए औजारों की मांग स्वाभाविक है।

अंततः "राइट टू रिकॉल" कोई चमत्कारी समाधान नहीं है, लेकिन यह उस समस्या को अवश्य संबोधित करता है जिसमें चुनाव के बाद जनता और नेता के बीच दूरी बढ़ जाती है। यह अवधारणा नेताओं को यह स्मरण कराती है कि सत्ता स्थायी अधिकार नहीं, बल्कि जनता की अमानत है। यदि इसे संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर, चरणबद्ध और संतुलित रूप में लागू किया जाए, तो यह लोकतंत्र को अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और जनोन्मुखी बना सकती है। एक सशक्त लोकतंत्र वही होता है जहाँ जनता केवल वोट डालने तक सीमित न रहे, बल्कि आवश्यकता पड़ने पर सत्ता को नियंत्रित करने की वास्तविक क्षमता भी रखे।

पुलवामा शहीदों की स्मृति में भव्य तिरंगा रैली, वीर जवानों को दी श्रद्धांजलि

▪ स्मार्ट हलचल

चित्तौड़गढ़। पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए वीर जवानों की स्मृति में NSUI चित्तौड़गढ़ द्वारा तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व कायकारी जिलाध्यक्ष संजय राव ने किया। रैली महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए शहीद स्मारक तक पहुँची। हाथों में तिरंगा लिए छात्र-छात्राओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और "भारत माता की जय" व "अमर शहीद अमर रहें" के नारों से वातावरण गुंजायमान हो उठा। शहीद स्मारक पर सभी ने वीर जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव संजय सेन, प्रदेश सह-सचिव खुमेंद्र गुर्जर शुभम शर्मा, महेश धनगर, युवराज सिंह, लेहरू गाडरी बालकिशन, मंथन बुनकर, अंजली, भानु , किरण, लाली मीणा, रेखा मीणा, किरण चौहान, सुमन धाकड़, सुमन रेखा चौहान सहित सैकड़ों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। साथ ही सैकड़ो एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने और साथियों ने भी भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया। वक्ताओं ने कहा कि पुलवामा के शहीदों का बलिदान राष्ट्र सदैव याद रखेगा और युवाओं को उनके त्याग से प्रेरणा लेकर देशहित में कार्य करना चाहिए।

न्यायालय के आदेश पर पशु क्रूरता व महिला से छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज

▪ स्मार्ट हलचल

खखरेरू / फतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम सभा अढैंया इनायतपुर में पशु क्रूरता एवं महिला से छेड़छाड़ के आरोप में न्यायालय के आदेश पर दो व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

गांव की एक महिला ने आरोप लगाया है कि दिनांक 16 नवंबर 2025 को वह जंगल में अपनी बकरियां चरा रही थी। इसी दौरान उसकी एक बकरी चरते-चरते गांव निवासी हनीफ के बगीचे में चली गई। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर हनीफ ने बकरी को डंडे से मारना शुरू कर दिया।

महिला का कहना है कि जब वह बकरी को बचाने और बीच-बचाव करने पहुंची, तो हनीफ व इदरीश ने उसके साथ अभद्रता की। आरोप है कि दोनों ने उसे बदनाम करने की नीयत से छेड़छाड़ की और उसके कपड़े फाड़ दिए। जिसकी सूचना महिला के द्वारा डायल 112 सहित स्थानीय थाने को दिया गया लेकिन आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई न होने के कारण न्यायालय का रुख किया

पीड़िता द्वारा न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिए जाने के बाद न्यायालय के आदेश पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है।

इस संबंध में थाना प्रभारी विद्या प्रकाश सिंह ने बताया कि न्यायालय के आदेश के अनुपालन में हनीफ व इदरीश के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

महाशिवरात्रि पर मेड़ता रोड में उमड़ा आस्था का सैलाब, शिव तांडव और झांकियों से गूंजे बाजार

▪ स्मार्ट हलचल

मेड़ता रोड कस्बे में महाशिवरात्रि का पावन पर्व हर्षोल्लास और गहरी श्रद्धा के साथ मनाया गया। अल सुबह से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयघोष से पूरा कस्बा भक्तिमय वातावरण में डूबा नजर आया।

शिव-पार्वती की आकर्षक झांकियां बनीं केंद्रबिंदु

महाशिवरात्रि के अवसर पर कस्बे में शिव-पार्वती की भव्य और आकर्षक झांकियां निकाली गईं। झांकियों में भगवान शिव के विविध रूपों का सजीव चित्रण किया गया, जिसने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। मुख्य बाजारों में

शिव तांडव की मनमोहक प्रस्तुतियों ने वातावरण को और भी आध्यात्मिक बना दिया। ढोल-नगाड़ों की थाप पर शिव भक्त भक्ति में झूम उठे।

जोधपुर से आई मंडली ने रचाया शिव परिवार का सजीव रूप

जोधपुर से आई एक विशेष मंडली ने शिव परिवार का सजीव भेष धारण कर प्रस्तुति दी। भगवान शिव, माता पार्वती, श्रीगणेश और कार्तिकेय के रूप में सजे कलाकारों ने श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्रद्धालु झांकियों के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करते नजर आए।

मंदिरों में रातभर चला भजनों का दौर

कस्बे के मुख्य सदर बाजार स्थित जबरेश्वर महादेव मंदिर तथा बृहम्माणी माता तालाब स्थित सर्वेश्वर महादेव मंदिर सहित सभी शिव मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और अभिषेक का आयोजन किया गया। रातभर भजनों और कीर्तन का दौर चलता रहा। श्रद्धालुओं ने दूध, बेलपत्र और जल से भगवान शिव का अभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।

अलसुबह से उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर अल सुबह से ही मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा। महिलाओं, युवाओं और बच्चों सहित सभी आयु वर्ग के श्रद्धालु व्रत रखकर भगवान शिव की आराधना करते नजर आए। कस्बे में जगह-जगह प्रसादी वितरण और भंडारों का भी आयोजन किया गया। कुल मिलाकर मेड़ता रोड में महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धा, उत्साह और भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ, जिसने पूरे कस्बे को आध्यात्मिक रंग में रंग दिया।

भव्य झांकियों के साथ निकली शिवबारात, गूंजे हर-हर महादेव के जयकारे

▪ स्मार्ट हलचल

वरमाला के बाद हुआ शिव-पार्वती विवाह

मनोहरथाना मार्ग स्थित बूढ़े महादेव से शुरू हुई बारात, गुफा मंदिर परिसर में हुआ भव्य स्वागत, विशाल भंडारे का आयोजन सोमवार को

हरनावदाशाहजी। महाशिवरात्रि पर्व महोत्सव के तहत रविवार दोपहर बाद मनोहरथाना मार्ग स्थित बूढ़े महादेव मंदिर से भव्य शिवबारात निकाली गई। आकर्षक झांकियों, ढोल-नगाड़ों और भक्ति संगीत के साथ निकली बारात में श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। भगवान शिव की सजीव झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। शिवबारात कस्बे के प्रमुख मार्गों से होती हुई देर शाम विवेकानंद सर्किल पहुंची, जहां श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर बारात का स्वागत किया। इसके बाद बारात छीपाबड़ौद मार्ग स्थित शिवालय गुफा मंदिर परिसर पहुंची, जहां आयोजन समिति एवं श्रद्धालुओं द्वारा जोर-शोर से बारात का भव्य स्वागत किया गया। बारात में युवक और महिलाएं भक्ति गीतों पर नृत्य करते हुए "हर-हर महादेव" और "बोल बम" के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। पूरे कस्बे में शिवभक्ति का उत्साह और उल्लास दिखाई दिया।

वरमाला के बाद शिव पार्वती विवाह सम्पन्न

शिवालय गुफा मंदिर परिसर में बारात पहुंचने के बाद पारंपरिक रीति-रिवाजों और वरमाला के बाद भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह समारोह आयोजित किया गया। विवाह कार्यक्रम को देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। विवाह के दौरान पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

महोत्सव के तहत हुआ भव्य आयोजन, सोमवार को होगा विशाल भंडारा

महाशिवरात्रि महोत्सव के तहत इससे पूर्व महिलाओं की मंगल कलश यात्रा, हल्दी मेहंदी तथा माता पूजन जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। महोत्सव के समापन अवसर पर सोमवार को समस्त ग्रामीणों के सहयोग से 9वें विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें सर्व समाज के हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कस्बे समेत निकटवर्ती क्षेत्र के भक्त भी भंडारे मे भाग लेते है। पूरा कस्बा महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर शिवमय वातावरण में डूबा हुआ है और धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एकता का संदेश दे रहा है।

सैनी छात्रावास महवा में आरक्षण मुद्दे पर बैठक, 25 फरवरी को जयपुर विधानसभा घेराव की तैयारी तेज

▪ स्मार्ट हलचल

महवा । महवा स्थित सैनी छात्रावास में रविवार को सैनी आरक्षण को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सैनी समाज के लोगों ने निर्णय लिया कि शहीद मोहन सिंह सैनी के पैतृक गांव गंधार से पैदल मार्च करते हुए जयपुर विधानसभा का घेराव किया जाएगा। इस कार्यक्रम की तैयारी को लेकर सैनी समाज महवा द्वारा आयोजित बैठक में बताया गया कि जयपुर कूच करने वाले लोगों के लिए एक दिन का विश्राम दिनांक 20 फरवरी को रखा जाएगा तथा उनके खाने-पीने की व्यवस्था संपूर्ण सैनी समाज तहसील महवा की तरफ से रहेगी। साथ ही गांव-गांव जाकर 25 फरवरी को होने वाले विधानसभा घेराव के लिए लोगों को जागरूक करने का आह्वान किया गया। बैठक में प्रस्तावित हल्ला बोल रैली को लेकर कई नई रणनीतियां भी बनाई गईं। इस अवसर पर सैनी समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान रूपसिंह सैनी अध्यक्ष सैनी समाज तहसील महवा ,राजाराम सैनी अध्यक्ष महात्मा ज्योतिबा फुले, बबलू सैनी प्रदेश उपाध्यक्ष फुले ब्रिगेड। तरुण सैनी महुआ प्रदेश सोसल मीडिया प्रभारी फुले ब्रिगेड, महावीर सैनी विधानसभा अध्यक्ष फुले ब्रिगेड,दुलीचंद सैनी लाला सैनी , नेमीचंद सैनी अध्यक्ष सब्जी मंडी महवा, पीतम वकील, कमल सैनी , राधेश्याम , शेरसिंह सैनी, राम सैनी,भोला सैनी लोकेंद्र सैनी, समय सैनी ,मोहरसिंह सैनी सहित अन्य समाज बंधु मौजूद रहे।

सेल्फ एम्प्लॉयमेंट का जरिया ऑर्गेनिक खेती

देश की लगभग 70 प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है, वहीं यह सेक्टर पचास फीसद से ज्यादा आबादी को रोजगार भी उपलब्ध कराता है। इसके अलावा हाल के वर्षों में जिस तरह से कृषि क्षेत्र में आधुनिकीकरण हुआ है, इसमें नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल बढ़ा है, पारंपरिक खेती के साथ-साथ ऑर्गेनिक और इनोवेटिव फार्मिंग हो रही है, उसने एग्रीकल्चर के प्रति समाज और खासकर युवाओं का नजरिया काफी हद तक बदला है। यही कारण है कि बीते कुछ समय में आईआईटी और आईआईएम से पास-आउट कई युवाओं ने मल्टीनेशनल कंपनियों की जॉब छोड़कर एग्रीकल्चर और एग्रीबिजनेस की ओर रुख किया है। इनके अलावा भी दूसरे सेक्टरों में काम करने वाले युवा हॉर्टिकल्चर, डेयरी, ऑर्गेनिक और पोल्ट्री फार्मिंग जैसे पेशे से जुड़ रहे हैं। उन्हें गर्व है कि वे देश और किसानों के लिए कुछ सकारात्मक कर पा रहे हैं। ऑर्गेनिक खेती का जिक्र तो आजकल बहुत हो रहा है, लेकिन सवाल यह है कि अगर किसी को इसमें करियर बनाना है, तो वह क्या करे। गौरतलब है कि यह ऐसी खेती है, जिसमें सिंथेटिक खाद, कीटनाशक आदि जैसी चीजों के बजाय तमाम ऑर्गेनिक चीजें जैसे गोबर, वर्मी कंपोस्ट, बॉयोफर्टिलाइजर्स, क्रॉप रोटेशन तकनीक आदि का इस्तेमाल किया जाता है। कम जमीन में, कम लागत में इस तरीके से पारंपरिक खेती के मुकाबले कहीं ज्यादा उत्पादन होता है। यह तरीका फसलों में जरूरी पोषक तत्वों को संरक्षित रखता है और नुकसानदेह केमिकल्स से दूर रखता है। साथ ही यह पानी भी बचाता है और जमीन को लंबे समय तक उपजाऊ बनाए रखता है। यह पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मददगार है।

कैसे करें शुरूआत?

अगर आपको ऑर्गेनिक खेती शुरू करनी है, तो सबसे पहले आपको इसका प्रोजेक्ट या ब्लू प्रिंट बनाना होगा। यह तय करना होगा कि कितनी जमीन पर यह खेती करेंगे। जमीन की लोकेशन क्या है? जमीन किस फसल के लिए अच्छी है? आपका बजट कितना है? यह प्रोजेक्ट किसी भी चार्टर्ड एकाउंटेंट से बनवा सकते हैं। इसके बाद आपको फॉर्म 1 ए-1, 1 ए-3, 1जी और फॉर्म 11 भरकर रजिस्ट्रेशन फीस के साथ अपने राज्य के डिपार्टमेंट ऑफ ऑर्गेनिक सर्टिफिकेशन में जमा करना होगा।

सरकार देती है सब्सिडी

कृषि वैज्ञानिक आपकी जमीन की जांच करेंगे और यह तय करेंगे कि इसकी मिट्टी किस फसल की खेती के लिए अच्छी है। इसके बाद आपका प्रोजेक्ट कृषि विभाग में पास होने के लिए भेज दिया जाएगा। ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए तकरीबन हर राज्य में सरकार 80 से 90 फीसद तक सब्सिडी देती है। मतलब यह आपको पूरे प्रोजेक्ट में 10 से 20 फीसद ही इनवेस्ट करना होगा। प्रोजेक्ट पास होने के बाद ऑर्गेनिक फार्मिंग टेक्निक वाली कंपनियां सेटअप लगाने के लिए आपसे खुद संपर्क करती हैं। सरकार से मिले पैसों से ये कंपनियां आपकी जमीन पर ग्रीन हाउस और ऑर्गेनिक फार्मिंग के लिए सेटअप लगाती है। साथ ही आपको ट्रेनिंग भी देती हैं।

पूरे देश में चल रहा प्रोजेक्ट

सरकार की ओर से नेशनल ऑर्गेनिक फार्मिंग प्रोजेक्ट भी चलाया जा रहा है। इसके सेंटर की वेबसाइट से आप और भी जानकारी ले सकते हैं। दिल्ली स्थित पूसा इंस्टीट्यूट से भी पूरी जानकारी और ट्रेनिंग ले सकते हैं।

सिर्फ मानसून पर निर्भर नहीं कृषि

कृषि अब पूरी तरह से मानसून पर निर्भर नहीं है। वैज्ञानिक तरीके से अगर खेती की जाए, तो फसल भी अच्छी होती है और पानी भी कम लगता है। पहले जैसे सूखे के हालात अब नहीं पैदा होते। अब बारिश के पानी का स्टोरेज भी बेहतर तरीके से किया जाता है। इससे बारिश कम होने पर भी फसलों को पर्याप्त पानी मिल जाता है। एग्रीकल्चर स्वरोजगार का सबसे अच्छा साधन है। इससे अब अच्छी कमाई भी की जा सकती है। बहुत से प्रोफेशनल फार्मर साइंटफिक फार्मिंग के जरिये न सिर्फ अच्छा पैसा कमा रहे हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रहे हैं। यही नहीं, प्राइवेट और गवर्नमेंट दोनों सेक्टरों में एग्रीकल्चर का स्कोप तेजी से बढ़ रहा है।

फाइन आर्ट्स में लीजिए डिग्री मिलेंगे बेहतरीन कॅरियर विकल्प

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

क्या आप स्केचिंग, ड्राइंग और रचनात्मकता करना पसंद करते हैं? यदि हां, तो फिर ललित कला में अध्ययन आपके लिए अनुकूल होगा। ललित कला कला का एक अच्छा संग्रह है जो सुंदर चीजों को बनाने के लिए किया जाता है। ललित कला में स्नातक आपको ललित कला में कॅरियर के लिए सर्वश्रेष्ठ रूप से तैयार कर सकता है।

ललित कला में स्नातक क्या है?

ललित कला स्नातक एक स्नातक की डिग्री है जो आपको दृश्य, ललित या प्रदर्शन कला में एक पेशेवर कॅरियर के लिए तैयार करती है। आपका कोर्सवर्क आपके फाइन आर्ट्स मेजर पर निर्भर करता है। कुछ प्रमुख जो आप ललित कला स्नातक के साथ कर सकते हैं उनमें फोटोग्राफी, कला इतिहास और नृत्य शामिल हैं।

अधिकांश कार्यक्रमों में रचनात्मक अभ्यास के घंटों के साथ-साथ कक्षा निर्देश शामिल हैं। अंतत:, बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स की डिग्री आपको कला में विभिन्न प्रकार के करियर विकल्पों के साथ एक अच्छी तरह से शिक्षा प्रदान करती है। मुख्य ललित कलाएं फिल्म, नृत्य, पेंटिंग, फोटोग्राफी, वास्तुकला, मिट्टी के बर्तन, वैचारिक कला, मूर्तिकला, संगीत, प्रिंटमेकिंग, इंटीरियर डिजाइन और नाटक हैं। यह छात्रों को कलाकार बनने और कला के निर्माण से जुड़ी अन्य प्रथाओं का पालन करने के लिए सिखाता है और तैयार करता है। अरस्तू के अनुसार, ''कला का मुख्य उद्देश्य चीजों की बाहरी उपस्थिति का प्रतिनिधित्व नहीं करना है, बल्कि उनके आंतरिक महत्व का भी प्रतिनिधित्व करना है''।

पाठ्यक्रम और अवधि

ललित कला पाठ्यक्रमों में बड़ी संख्या में प्रमाणपत्र, डिप्लोमा और डिग्री स्तर के पाठ्यक्रम हैं जो विभिन्न संस्थानों द्वारा पेश किए जाते हैं। आप ललित कला में स्नातकोत्तर और पीएचडी पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों की अवधि 1 से 5 वर्ष तक होती है।

डिप्लोमा कोर्स

ललित कला में डिप्लोमा : यह एक वर्षीय पाठ्यक्रम है। यह कोर्स 12वीं के बाद किया जा सकता है।

स्नातक के अंतर्गत का पाठ्यक्रम :

बैचलर ऑफ फाइन आर्ट्स (बीएफए) या बैचलर ऑफ विजुअल आर्ट्स (बीवीए) : इस कोर्स की अवधि 4 से 5 साल है।

ललित कला में कला स्नातक (बीए) : यह तीन साल की अवधि का कार्यक्रम है।

परास्नातक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ फाइन आर्ट (एमएफए) या मास्टर इन विजुअल आर्ट्स (एमवीए) : यह दो साल की अवधि का कार्यक्रम है।
- ललित कला में मास्टर ऑफ आर्ट्स (एमए) : इस पाठ्यक्रम की अवधि आम तौर पर दो वर्ष की होती है।
- कुछ संस्थान पत्राचार और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से स्नातक पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं। दो प्रसिद्ध संस्थान इग्नू, दिल्ली और दिल्ली विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग पत्राचार में ललित कला पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं।

ललित कला में आवश्यक कौशल

- आपके द्वारा बनाई गई ड्राइंग आगंतुक की नजर में यथार्थवादी होनी चाहिए।
- आपको कला सामग्री और उनका उचित उपयोग कैसे करना है, इसकी जानकारी होनी चाहिए।
- अपने काम की प्रस्तुति और प्रदर्शन उचित तरीके से और सटीक होना चाहिए।
- आपके पास रचनात्मकता होनी चाहिए।
- रंग और रंग सिद्धांत के साथ प्रयोग की जाने वाली तकनीकें होनी चाहिए।
- संचार और पारस्परिक कौशल आपके भीतर मौजूद होनी चाहिए।
- आपको कुछ नवीनतम तकनीकों के साथ उपयोग किए जाने वाले सभी डिजिटल मीडिया का ज्ञान होना चाहिए।

प्रमुख जॉब प्रोफाइल इस प्रकार हैं :

- आर्ट थेरेपिस्ट
- मल्टीमीडिया प्रोग्रामर
- ड्राइंग टीचर
- सेट डिजाइनर
- प्रोडक्शन आर्टिस्ट
- म्यूजिक टीचर
- रचनात्मक निदेशक
- संपादक
- फर्नीचर डिजाइनर
- कला निर्देशक
- 3डी कलाकार
- एनिमेटर

रोजगार के क्षेत्र :

- विज्ञापन कंपनियां
- बुटीक
- कला स्टूडियो
- थियेटर
- सिलाई की दुकानें
- फैशन हाउस
- शिक्षा संस्थान
- टेलीविजन उद्योग
- एनीमेशन
- शिक्षण
- वस्त्र उद्योग
- स्कल्पचर

सैलरी पैकेज

वेतन नौकरियों के आधार पर अलग-अलग होते हैं। ललित कला में स्नातक 2 से 3 लाख रुपये प्रति वर्ष के बीच कमा सकता है। हालांकि यह उनकी प्रतिभा के आधार पर निर्भर करता है। अनुभव और ज्ञान के साथ-साथ सैलरी पैकेज में भी बढ़ोतरी होती रहती है। जो लोग विज्ञापन एजेंसियों और पब्लिशिंग हाउसेस में काम करना चाहते हैं, वे लगभग 4 से 5 लाख रुपये प्रति वर्ष का आकर्षक वेतन कमा सकते हैं।

एडमिशन

- आप किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से उच्च माध्यमिक शिक्षा (12वीं) की परीक्षा पूरी करने के बाद डिप्लोमा या डिग्री कोर्स कर सकते हैं। आप कुछ बीएफए संस्थानों द्वारा आयोजित योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं।
- यदि आप मास्टर प्रोग्राम में शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो आपको ललित कला में स्नातक की डिग्री प्राप्त करनी होगी।

कुछ प्रसिद्ध कॉलेज जो ललित कला में यूजी और पीजी पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं :

- हैदराबाद विश्वविद्यालय
- दिल्ली विश्वविद्यालय
- अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय
- एमिटी विश्वविद्यालय
- इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फाइन आर्ट्स, दिल्ली

कॅरियर और नौकरियां

आज विभिन्न क्षेत्रों में ललित कला के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं। उत्कृष्ट वेतन, लोकप्रियता और प्रतिष्ठा प्राप्त करने के लिए, भारत की युवा आबादी इस क्षेत्र में आकर्षित हो रही है।

- स्नातक पूरा करने के बाद छात्रों के पास एक कला शिक्षक, सरकारी कार्यालयों में कलाकार या फोटोग्राफर के रूप में काम करने का विकल्प होता है। आप एक स्वतंत्र कार्यकर्ता के रूप में भी अपना करियर शुरू कर सकते हैं और निर्देशन, कपड़े, फोटोग्राफी, टेलीविजन और फैशन के लिए जा सकते हैं।
- आप अकादमिक, वास्तुकला और फिल्म उद्योग में भी करियर बना सकते हैं। आप प्रकाशन या कपड़ा उद्योग में पत्रिकाओं, विज्ञापन एजेंसियों और समाचार पत्रों के रचनात्मक विभागों में शामिल हो सकते हैं।
- ललित कला स्नातक मुख्यधारा के स्नातक रोजगार और उद्योगों की एक विस्तृत श्रृंखला में प्रशिक्षण के लिए भी आवेदन कर सकते हैं, उदाहरण के लिए, बैंकिंग, आर्ट गैलरी, बीमा, मीडिया और जनसंपर्क।
- उम्दा कलाकार विभिन्न प्रकार के मीडिया और तकनीकों का उपयोग करके कलाकृति का निर्माण करने का काम करते हैं।
- आप अपने काम को संग्रहालयों, निजी दीर्घाओं में प्रदर्शित कर सकते हैं या निजी संग्रह रख सकते हैं और अपने काम के लिए पुरस्कृत हो सकते हैं। आपके द्वारा बनाई गई वस्तुएं स्टूडियो, नीलामी, स्टोर या कला और शिल्प शो में बिकेंगी।
- फाइन आर्ट्स में स्कोप काफी अच्छा है, आप इस प्रोफेशनल कॅरियर के तहत सम्मान और पैसा दोनों कमा सकते हैं। मल्टीमीडिया कलाकार और एनिमेटर मोशन पिक्चर या वीडियो गेमिंग उद्योगों में काम करते हैं।

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी में गोल्डन करियर

ऊर्जा का अहम स्त्रोत होने के नाते पेट्रोलियम की उपयोगिता से सभी वाकिफ हैं। भारत पेट्रोलियम पदार्थों की अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेश से आयात करता है। अगर आंकड़ों की मानें तो पेट्रोलियम पदार्थों के उपयोग में भारत विश्व का आठवां बड़ा देश है। एचपीसीएल, बीपीसीएल, रिलायंस, इंडियन ऑयल जैसी कंपनियों से सरकार को भारी-भरकम राजस्व मिलता है।

संभावनाएं

पहले इस क्षेत्र में जियोलॉजिस्ट की काफी मांग थी, समय बदलने के साथ मैकेनिकल क्षेत्र के विशेषज्ञों ने इस इंडस्ट्री में अपनी धाक जमाई। करियर की अनेक संभावनाओं को देखते हुए इस क्षेत्र में प्रबंधन से लेकर इंजीनियरिंग तक के कोर्स शुरू हुए हैं।

कोर्स

पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी ने बीबीए, एमबीए, एमटेक, बीटेक, एमएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। इसके अलावा देश के चुनिंदा संस्थानों ने पेट्रोलियम के क्षेत्र में बीई, बीटेक, एमई, एमटेक, एमएससी और बीएससी जैसे कोर्स शुरू किए हैं। ये सभी कोर्स पेट्रोकैमिकल इंजीनियरिंग, पेट्रोटेक्नोलॉजी, गैस इंजीनियरिंग, पेट्रोमार्केटिंग आदि में शुरू किए हैं।

योग्यता

बारहवीं की परीक्षा भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन विज्ञान से 50 प्रतिशत अंकों से पास करने के बाद आप इस कोर्स के लिए आवेदन कर सकते हैं। कैमिकल और पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में बीई और बीटेक कर चुके छात्र पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में एमटेक के लिए आवेदन कर सकते हैं। बीबीए में प्रवेश के लिए बारहवीं किसी भी संकाय से उत्तीर्ण होना जरूरी है।

स्टडी कोर्स

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग में छात्र जियोलॉजी, भौतिकी और इंजीनियरिंग के सिद्धांतों द्वारा पेट्रोलियम की रिकवरी, डेवलपमेंट और प्रोसेसिंग के बारे में जानते हैं। इसके अलावा ड्रिलिंग, मैकेनिक्स, पर्यावरण संरक्षण और पेट्रोलियम जैसे विषयों पर छात्रों की पकड़ बनाई जाती है। पेट्रोलियम इंडस्ट्री को मुख्य तौर पर दो भागों में बांट कर देख सकते हैं- अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम सेक्टर। अपस्ट्रीम सेक्टर में खोज, उत्पादन व तेल और प्राकृतिक गैसों का दोहन कैसे किया जाए, इसकी शिक्षा व ट्रेनिंग दी जाती है। डाउनस्ट्रीम सेक्टर में रिफाइनिंग, मार्केटिंग और वितरण से संबंधित पूरी जानकारी दी जाती है। पेट्रोलियम के क्षेत्र में टीम की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। एक पेट्रोलियम इंजीनियर को जियोलॉजिस्ट, अन्वेषणकर्ता, इंजीनियर, पर्यावरण क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ काम करना पड़ता है।

अवसर

पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में नौकरी की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। लगभग आठ लाख लोगों को रोजगार देने वाला यह क्षेत्र अवसरों से भरा पड़ा है। हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम, रिलायंस, ओएनजीसी, पेट्रोनेट जैसी नामी-गिरामी कंपनियों के द्वार आपके लिए खुले हैं। जिस तरह पेट्रोल के नए भंडार और क्षेत्र मिल रहे हैं, उससे यह क्षेत्र आने वाले समय में बड़ा लाभकारी साबित होगा।

संस्थान

- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज, देहरादून, उत्तराखंड
- डिब्रूगढ़ यूनिवर्सिटी, असम
- इंडियन स्कूल ऑफ माइंस, धनबाद
- अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोलियम स्टडीज एंड कैमिकल इंजीनियरिंग, अलीगढ़, उत्तर प्रदेश
- यूनिवर्सिटी ऑफ पेट्रोलियम एंड एनर्जी स्टडीज, दिल्ली
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु
- डॉ. हरिसिंह गौर यूनिवर्सिटी सागर, मध्य प्रदेश
- महाराष्ट्र इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, यूनिवर्सिटी ऑफ पुणे, महाराष्ट्र

लेते। भारत में ज्यादातर लोग मुंहासों के इलाज के लिए या तो घरेलू नुस्खे अपनाते हैं या उन्हें पूरी तरह से अनदेखा कर देते हैं। बहुत कम लोग होते हैं जो डॉक्टर के पास जा कर इलाज कराते हैं। ज्यादातर लोग इस बात से अनजान हैं कि मुंहासे पैदा करने वाला बैक्टीरिया एमआरएसए जानलेवा भी हो सकता है।

जानलेवा बैक्टीरिया एमआरएसए

मुंहासे पैदा करने वाला मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए एक ऐसा बैक्टीरिया है. जो आम तौर पर त्वचा पर आक्रमण करता है। अमेरिका में ज्यादातर त्वचा के रोग इसी विषाणु के कारण होते हैं। मुंहासों तक तो इन पर काबू कर लिया जाता है, लेकिन अगर यह किसी चोट द्वारा खून के अंदर पहुंच जाएं, तो यह शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। खास तौर से ऑपरेशन के दौरान अगर ध्यान न दिया जाए तो यह पूरे शरीर में इन्फेक्शन फैला सकता है।

एंटी बायोटिक का असर नहीं

एमआरएसए को सबसे पहली बार 1961 में खोजा गया था। इससे छुटकारा पाने के लिए एंटी बायोटिक का इस्तेमाल भी किया गया, लेकिन इतने वर्षों में इन विषाणुओं ने खुद को इन दवाइयों के हिसाब से ढाल लिया है। मेथिसिलिन, अमोक्सिसिलिन, मेथिसिलिन रेसिस्टेंट स्टेफीलोकोकस ऑरेउस या एमआरएसए पेनिसिलिन, ओक्ससिलिन जैसे ज्यादातर एंटी बायोटिक अब इन पर काम करने में विफल रहते हैं। वैज्ञानिक अब नए एंटी बायोटिक बनाने में लगे हैं।

यूरोप में लाखों बीमार

यूरोप में हर साल चालीस लाख से अधिक लोग अस्पतालों में इन्हीं एमआरएसए विषाणुओं का शिकार होते हैं। इनमें से 35,000 जर्मनी में हैं। एक अध्ययन के अनुसार यूरोप में हर साल 37,000 लोग इसलिए अपनी जान गंवा बैठते हैं, क्योंकि वे अस्पताल में आकर बीमार पड़ते हैं और समय रहते उनका सही इलाज नहीं हो पाता। यूरोपीय संघ कोशिश कर रहा है कि अस्पतालों में साफ-सफाई के मापदंड अब और भी सख्त कर दिए जाएं।

मरीज की पहचान जरूरी

जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन चाहता है कि जर्मनी के हर अस्पताल में मरीज को भर्ती करने से पहले उसकी पूरी तरह से जांच कर ली जाए कि कहीं वह अपने साथ इस कीटाणु को तो नहीं लाया है। ऐसा करना इसलिए जरूरी है, ताकि मरीज की पहचान कर ली जाए और उसे बाकी मरीजों से अलग रखा जाए। जर्मनी, फ्रांस और पोलैंड में 25 प्रतिशत मरीजों में यह कीटाणु पाया गया। स्पेन और तुर्की जैसे अन्य दक्षिण यूरोपीय देशों में हालात और भी खराब हैं। वहां 50 प्रतिशत मरीज इस विषाणु से संक्रमित हैं।

एमआरएसए का बढ़ता खतरा

पिछले वर्षों में एमआरएसए के केस इतनी तेजी से बढ़े हैं कि अब इसे कामकाज संबंधी बीमारी के रूप में देखा जा रहा है। जर्मन सोसाइटी फॉर हॉस्पिटल हाइजीन के अनुसार जर्मनी में 80 प्रतिशत अस्पतालों में एमआरएसए का खतरा है। इन अस्पतालों से कड़े रूप से यह कहा जा रहा है कि जो लोग साल में एक से ज्यादा बार अस्पताल में भर्ती हो रहे हों, उनकी पूरी जांच की जाए।

क्या आप जानते हैं?

क्या है डीप वैन थ्रोमयोसिस यानी 'डी वी टी '? लम्बी दूरी की थकाऊ उड़ान की कीमत अकसर पैरों और हमारी जंघाओं को चुकानी पड़ती है ।

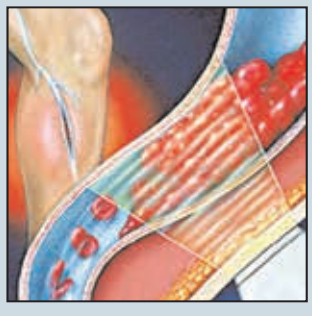

लक्षण

लम्बी दूरी उड़ान के दौरान काल्फ जैसी डीप वैन्स (निचली शिराओं में) खून का थक्का बनने लगता है। साथ में बेहद का दर्द और इन्फ्लेमेशन होने लगता है। बस यही है 'डीप वैन थ्रोम -योसिस' के लक्षण।

समाधान

डी वी टी का समाधान भी सीधा सरल है। हर एक घंटे के बाद प्लेन में एक सिरे से दूसरे तक टहलिए । पैर लटकाकर बैठे मत रहिए। खूब पानी पीजिए (हाई -ड्रै - टिड रखिये शरीर को) हो सके तो किसी भी प्रकार पैरों को एलीवेटिड रखिए । वैसे आप को बता दें कि आजकल फ्लाइट के दौरान पहने जाने वाले विशेष मौजे (सॉक्स)भी उपलब्ध हैं ।

यह फ्लाईट सॉक्स खास तौर पर डिजाइन किए गए कम्प्रेशन होजरी से तैयार किये जाते हैं। ये रक्त प्रवाह को पैरों की और मोड़ कर दिल तक ले जाते हैं। यह पैरों पर इस तरह से दबाव (प्रेशर) डालते हैं, जिससे दर्द घुटनों से पैरों के टखनों (एंकल) की ओर मुड़ जाता है।

हाउस वाइफ रीता आजकल बहुत चिंतित रहने लगी है। दरअसल महीने में यह तीसरी बार है की वह अपने 6 वर्षीय बेटे रिंकू को स्थानीय अस्पताल मे दिखाने लाई है। रिंकू को बार बार दस्त हो रहे है। मात्र 4 दिन पहले ही रिंकू को इसी अस्पताल से छुट्टी मिली थी, तब उसे उल्टी दस्त की वजह से 2 दिन के लिए अस्पताल मे भर्ती किया गया था।

घर के बर्तन भी फैलाते हैं रोग

बाल रोग विशेषज्ञ ने रीता को बताया की रिंकू की बीमारी खाने से उत्पन्न बैक्टीरिया की वजह से हुई है। इसलिए उसे रिंकू की खानपान की आदतों के प्रति खास तौर पर चौकन्ना रहना होगा। डॉक्टर ने रीता को यह भी बताया कि अपने बच्चे को खाना देते वक्त उसे क्या करना है और क्या नही।

डॉक्टर द्वारा दी गई सूची को पूरा पढ़ने के बाद लगा जैसे रीता रो पड़ेगी, क्योंकि इस सूची में ऐसा कोई काम नही था जो उसने न किया हो। एक शिक्षित व समझदार मां के तौर पर रीता ने बहुत अच्छी तरह अपने बच्चे की सेहत व भलाई के हरसंभव कदम उठाया था।

रीता ने हमेशा यह सुनिश्चित किया कि रिंकू वही पानी पीए जो छना व उबला हुआ हो। उसने अपने बच्चे को हमेशा ताजा बना हुआ भोजन दिया। वास्तव में रीता के पति व उसकी सहेलियां उसका यह कह कर मजाक भी उड़ाते थे कि अपने बेटे के मामले में वह कुछ ज्यादा ही हाइजीनिक है। रीता ने बहुत सोचा, लेकिन फिर भी वह उस कारण को नही ढूंढ़ पाई, जिस वजह से उसके बेटे को बार बार संक्रमण हो रहा था।

उदाहरण मात्र है

रीता तो मात्र एक ही उदाहरण है। हमारे देश मे ऐसी हजारों माताएं हैं जो उस कारण को खोज रही हैं, जिसकी वजह से उनके बच्चे व परिवार के अन्य सदस्य बार बार बीमार पड़ते हैं। किंतु लगातार प्रयासों के बावजूद भी वे इन संक्रामक बीमारियों को अपने घर से दूर नहीं रख पा रही हैं।

वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुसार

जब हम भोजन की साफ-सफाई के बारे में बात करते हैं तो बर्तनों का जिक्र शायद ही कभी आता हो। वास्तव में बर्तन भोजन संबंधी स्वच्छता का सबसे अहम हिस्सा हैं, क्योंकि बर्तनों में ही खाना पकाया, परोसा और ले जाया जाता है। जिन बर्तनों को ठीक से धोया नही जाता, उनमें ऐसे जीवाणु पनप जाते हैं, जो रोगकारक होते हैं और ऐसे बर्तनों से बीमारी फैल सकती है।''

तो क्या है इसका हल?

सर्वश्रेष्ठ तरीका तो यही है कि बर्तनों को रोगाणुओं से मुक्त किया जाए। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सलाह दी जाती है कि बर्तनों को धोने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री में जीवाणुनाशक एजेंट होना चाहिए। लेकिन यह भी ध्यान रखने योग्य बात है कि बर्तन धोने के लिए जो रासायनिक एजेंट इस्तेमाल किए जाएं वे सुरक्षित हों और उनसे किसी किस्म का नुकसान न हो। साइक्लोजैन ऐसा रोगाणुरोधी एजेंट हैं, जो इस उद्देश्य को पूरा करते हैं।

उद्देश्य को पूरा करते हैं साइक्लोजैन

साइक्लोजैन मानव इस्तेमाल के लिए सुरक्षित हैं और ये बर्तनों से 85 प्रतिशत बैक्टीरिया को साफ करने में सक्षम हैं। ये रसायन बैक्टीरिया को धो डालते हैं और लगभग 8 घंटों तक उन्हें फिर से पनपने से भी रोकते हैं। इस वक्त भारतीय बाजारों में कई ब्रांड नामों से 'डिश वॉश' फॉर्मूला उपलब्ध हैं, जिसमें साइक्लोजैन मौजूद हैं।

अनदेखा कर देते हैं अहम पहलू

- साफ-सफाई के सभी मानकों का पालन करने पर भी हम में से अधिकतर लोग भोजन दूषित होने के सबसे अहम् पहलू को अनदेखा कर देते हैं- वे बर्तन जिनमें हम खाना पकाते, रखते और खाते हैं।
- आम तौर पर प्लेटें और टिफिन को सिर्फ पानी से धो लिया जाता है। हम सभी जानते हैं कि नल से आने वाला पानी रोग फैलाने वाले जीवाणुओं को लिए होता है।
- भले ही आप दो-तीन बार पानी को छानें या उबालें या फिर गर्मागर्म खाना बना कर परोसें; लेकिन आपकी इन कोशिशों पर पानी फिर जाएगा, अगर यह खाना-पानी ऐसे बर्तनों में परोसा जाए, जिन्हें रोगाणुओं से मुक्त नही किया गया है।
- गिलास, कटोरी, थाली, टिफिन आदि में मौजूद बैक्टीरिया भोजन व पानी में बड़ी तेजी से मिल जाते हैं। एक बार भोजन या पानी दूषित हो गए तो फिर वे हमेशा के लिए दूषित ही रहेंगे।